• जयपुर, मंगलवार, 1 अक्टूबर 24 • वर्ष 14 • अंक 46 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 लंबे समय के बाद खुली हाउसिंग बोर्ड की ई-नीलामी...

पेज @4 राजस्थान के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं : अजिताभ ...

पेज @8 भाजपा के 10 साल के कुशासन से त्रस्त हरियाणा की जनता ने कांग्रेस...

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में नई दिल्ली में 'इन्वेस्टर मीट' का आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर। राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत सोमवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में 'इन्वेस्टर मीट' का आयोजन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में हुआ। इस 'इन्वेस्टर मीट' के दौरान राजस्थान में निवेश के लिए राज्य सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन और विभिन्न कंपनियों के बीच 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश संबंधी एमओयू (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए। आज हुए एमओयू के साथ, प्रदेश में निवेश के लिए किए गए एमओयू (टङ्कव२) का कुल मूल्य 12.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

दिल्ली में आयोजित इस 'इन्वेस्टर मीट' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और राजस्थान सरकार के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

कई बड़ी कंपनियों से एमओयू इस 'इन्वेस्टर मीट' में उद्योग एवं व्यापार जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुए और इस दौरान अक्षय ऊर्जा, पावर ट्रांसमिशन, तेल और गैस, सीएनजी, लॉजिस्टिक्स, एग्रोटेक जैसे कई क्षेत्रों में निवेश के लिए एमओयू (टङ्कव२) किया गया। प्रदेश में निवेश के लिए जिन प्रमुख कंपनियों और

औद्योगिक समूहों ने सरकार के साथ एमओयू (MoUs) किया, उनमें टाटा पावर, इंडियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एनएचपीसी, रिलायंस बायो एनर्जी, टोरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया, ऑयल इंडिया, जिंदल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक्स, जेके सीमेंट, बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इस दौरान, देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को राज्य में निवेश करने और 9-10-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

राज्य में उद्योग-धंधे लगाने के लिए निवेशकों और कारोबारियों को किया आमंत्रित निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- राजस्थान एक परिवर्तनकारी युग की दहलीज पर खड़ा है और विकास और समृद्धि के लिए हमने एक नए दृष्टिकोण को अपनाया है। हम न केवल एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रख रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य का निर्माण भी कर रहे हैं। इस परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता निवेश को आकर्षित करने, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और हमारे लोगों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई पहलों से परिलक्षित होती है। हमारी सरकार अगले पांच वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करते हुए 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बनाने के लिए कृतसंकल्प है।

निवेशकों के अनुकूल सरकारी प्रयास मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि औद्योगिक भूमि के अधिग्रहण और विकास को सरल बनाया गया है और निजी औद्योगिक पार्क योजना और लैंड एग्रीगेशन एंड मॉनेटाइजेशन पॉलिसी जैसी पहल शुरू की जा रही हैं, ताकि कारोबारियों को अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में निवेशकों के अनुकूल वातावरण बनाने के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान व्यवसायों को सुविधाजनक बनाने का है और इसके लिए सरकार अपनी नीतियों में बदलाव ला रही है, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने में लगी है, अनुपालन का बोझ कम करने में लगी है और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में लगी है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा, 'राज्य सरकार का ध्यान केवल निवेश संबंधी एमओयू (टङ्कव२) करने पर नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर लाकर परियोजनाओं में बदलना है।'

राज्यवर्धन बोले- राजस्थान असीम संभावनाओं की धरती उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा- हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि समावेशी और सतत विकास के लिए एक मानक भी स्थापित करे। मैं सभी निवेशकों से राजस्थान आने का आ''ान करता हूं। साथ मिलकर हम इस विजन को हकीकत में बदल सकते हैं। हमारे राज्य में निवेश करके, आप हमारे प्रचुर संसाधनों और स्ट्रैटेजिक लोकेशन का उपयोग करके आप मजबूत सप्लाई चेन और सहयोगी उपक्रम बना सकते हैं, जिससे निवेशकों और राज्य दोनों को लाभ होगा।

राजस्थान असीम संभावनाओं की धरती है, जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है और जहां एक ऐसी सरकार है जो आपके साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर है।

मुख्य सचिव बोले- राज्य में निवेश करने का यह उपयुक्त समय मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा- यह इन्वेस्टमेंट समिट अगले 5 वर्षों में राज्य को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की शुरुआत है। राज्य में निवेश करने का यह उपयुक्त समय है, क्योंकि सरकार समन्वित और सरलीकृत नीतियों, रेगुलेटरी कम्प्लायंस में आसानी जैसे कदमों के जरिए आपसी साझेदारी बढ़ाना चाहती है और निवेशकों को संसाधनों, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश का वांछित लाभ उठाने की सुविधा प्रदान कर रही है। इस अवसर पर उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने एक प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि राजस्थान दिल्ली से काफी नजदीक है और इस स्ट्रैटेजिक लोकशन का फायदा राज्य में निवेश करके निवेशक उठा सकते हैं, क्योंकि राजस्थान के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

उद्योग जगत के दिग्गजों ने लिया हिस्सा दिल्ली के इस इन्वेस्टर मीट में उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने भी हिस्सा लिया। इनमें डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के अध्यक्ष और सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर अजय एस. श्रीराम, टाटा पावर के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. प्रवीर सिन्हा, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल, जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक शेट्टी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संजय अग्रवाल, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बनर्जी और जेके सीमेंट लिमिटेड के डेप्युटी मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ माधव सिंघानिया शामिल थे।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित

पटना/एजेंसी

बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10

बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण 16 जिलों पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढ़ी, सुपौल, सिवान, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण एवं सहरसा के 31 प्रखंडों में 152 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 4 लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ से प्रभावित आबादी को सुरक्षित निष्क्रमित करने के लिए एनडीआरएफ की कुल 12 टीम एवं एसडीआरएफ की कुल 12 टीमों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से एनडीआरएफ की तीन टीमों को बुलाया गया है। बताया गया कि लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने एवं आवागमन के लिए 630 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बाढ़ पीड़ितों के लिए 43 राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है, जिसमे 11 हजार से अधिक लोग शरण लिये हुए हैं। उल्लेखनीय है कि नेपाल में भारी वर्षा के कारण रविवार की सुबह पांच बजे कोसी बैराज, वीरपुर से 6,61,295 क्यूसेक जलस्राव हुआ था, जो 1968 के बाद सर्वाधिक है। जल संसाधन विभाग का दावा है कि तटबंधों की सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग की टीमें दिन-रात तत्पर हैं। हालांकि कई तटबंधों के क्षतिग्रस्त होने के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति भयावह हो गई है।

अंबाला में राहुल बोले :

सुनामी की तरह अडानी के खातों में आता है पैसा, तूफान की तरह आपके अकाउंट हो रहे खाली

अंबाला/एजेंसी। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अंबाला में कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने एक जनसभा को संभोदित करते हुए कहा अडानी खेत में मेहनत नहीं करते, कोई छोटा व्यापार नहीं करते। लेकिन हर सुबह उनके बैंक अकाउंट में सुनामी की तरह पैसा आ रहा है। जितना पैसा उनके अकाउंट में सुनामी की तरह घुस रहा है, उतना ही पैसा आपके बैंक अकाउंट से तूफान की तरह निकलता जा रहा है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, ...महिला शक्ति योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने 2000 रुपये जमा किए जाएंगे। एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में दिए जाएंगे। हम सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करेंगे और विधवाओं, बुजुर्गों और विकलांगों के बैंक खातों में हर महीने 6000 रुपये जाएंगे... एमएसपी की गारंटी दी जाएगी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, यहां का किसान पूरे देश का अन्नदाता है।

पीएम मोदी ने दी मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिए जाने की बधाई

नई दिल्ली/एजेंसी।

इस साल का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दिग्गज अभिनेता को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मिथुन चक्रवर्ती को यह पुरस्कार देने की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कोलकाता की गलियों से लेकर सिनेमा की ऊंचाइयों तक, मिथुन दा की अद्भुत सिने यात्रा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। दादासाहेब फाल्के चयन समिति ने भारतीय सिनेमा में उनके ऐतिहासिक योगदान के लिए उन्हें इस सम्मान से नवाजने का निर्णय लिया है। मंत्री ने बताया कि यह पुरस्कार 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 8 अक्टूबर को मिथुन चक्रवर्ती को प्रदान किया जाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, मुझे खुशी है कि मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह एक कल्चरल आइकन हैं, जिनको अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए पीढ़ियों से सराहना मिली हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं।

दूसरी ओर, इस अवार्ड पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है, हमें बड़ा अफसोस है कि इस बार का पुरस्कार पीएम नरेंद्र मोदी को नहीं मिला। वह इसके हकदार थे। पूरे देश में अगर कोई कलाकार है, तो वह पीएम मोदी हैं।

उल्लेखनीय है कि मिथुन चक्रवर्ती ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत मृणाल सेन की फिल्म मृगया (1976) से की थी, जिसके लिए उन्हें पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। यह फिल्म भारत और उस समय के सोवियत संघ में भी बड़ी हिट रही थी। इसके बाद 1982 में आई फिल्म 'डिस्को डांसर' के जरिए मिथुन दा पूरी दुनिया में मशहूर हो गए।

गांधी के रास्ते पर चलने वाली पांच शख्सियतें

हम भारतीय चाहें जितना गर्व कर सकते हैं कि महात्मा गांधी जैसी पवित्र शख्सियत का संबंध भारत से है। हालांकि, उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव सारी दुनिया रखती है। वे अपने जीवनकाल और उसके बाद भी करोड़ों लोगों को सत्य और अहिंसा के अपने विचारों से प्रभावित करते हैं। अब भी सारी दुनिया में अनगिनत लोग गांधीजी को अपना आदर्श मानते हैं। इसी तरह न जाने कितने लोग गांधीजी के रास्ते पर चलते हुए अपने-अपने ढंग से संसार को बेहतर बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। उनमें भी अब गांधीजी की छवि दिखाई देती है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। आप चाहें तो 88 साल की कात्सू सान को देश की सबसे खास गांधीवादी व्यक्तित्वों में एक मान सकते हैं।

कात्सू सान राजघाट पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में बुद्ध धर्मग्रंथों से प्रार्थना पढ़ती हैं। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। वह गुजरे 60 वर्षों से भी ज्यादा साल से गांधीजी को पढ़ रही हैं और दुनिया को उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दे रही हैं। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वह 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत आईं, ताकि उन्हें और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से ऐसा साक्षात्कार हुआ कि उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया। उनमें आप अपनी मां के चेहरे को देख सकते हैं। भारत को लेकर उनकी दिलचस्पी भगवान बुद्ध के चलते बढ़ी थी। पर अब तो उन्हें भारत ही अपना देश लगता है। वह कहती हैं कि भारत के कण-कण में पवित्रता है। भारत ही वास्तव में संसार का आध्यात्मिक गुरु है। भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर वो कहती हैं कि मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश मिला नहीं, जहां सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। भारत ही ऐसा देश है जहाँ सभी धर्मों को बराबरी का सम्मान मिलता है। कात्सू सान के मुताबिक भगवान बुद्ध और गांधीजी दोनों के रास्ते आपको एक दिशा में ही लेकर जाते हैं। इसीलिये ये दोनों सदैव प्रासंगिक रहने वाले हैं। दोनों का जीवन पीड़ा को कम करने और समाज से अन्याय को दूर करने के लिए समर्पित रहा था। इसी प्रकार, गांधीजी की दर्जनों मूर्तियां बनाने वाले महान मूर्ति शिल्पकार राम सुतार जी बालपन से ही गांधी के रास्ते पर चलने लगे थे। वे जब गांधीजी की किसी प्रतिमा को शक्ल दे रहे होते हैं, तो उन्हें लगता है मानो वे गांधी से संवाद कर रहे हों। उन्हें गांधीजी की प्रतिमाओं पर काम करते हुए अपार आनंद मिलता है। संसद भवन के प्रांगण में लगी उनकी बनाई गांधीजी की मूर्ति तो बेजोड़ है। इसमें बापू ध्यान की मुद्रा में हैं। यह असाधारण मूर्ति 17 फीट ऊंची है। उनकी कृतियां बोलती हैं। उन्होंने ही पटना के गांधी मैदान में स्थापित बापू की मूर्ति को भी तैयार किया था।

इसी तरह ब्रदर सोलोमन जॉर्ज भी पक्के गांधीवादी हैं। वे गांधीजी को मार्गदर्शक मानते हैं। उन्हें गांधीजी अपने लगते हैं क्योंकि वे 12 मार्च 1915 को अपनी पहली राजधानी यात्रा के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही ठहरे थे। देश के कई शहरों में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी से जुड़े हुए हैं ब्रदर सोलोमन। इसी संस्था ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। ब्रदर सोलोमन बताते हैं कि गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में ईसाई मिशनरी जोसेफ डोक से भी मिले थे, जिन्होंने उनकी पहली जीवनी लिखी। वहीं उनकी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज से भी मुलाकात हुई। उन्हें लगता है कि गांधीजी विश्व भर में शांति के सबसे बड़े प्रेरक हुए, जिन्हें दुनिया ने बुद्ध और ईसा मसीह के बाद देखा है। गांधीजी आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने वे अपने जीवनकाल में थे। ब्रदर सोलोमन की पसंदीदा गांधीवादी शिक्षाओं में से एक है, "अगर कोई दुश्मन आपके बाएं गाल पर वार करे, तो उसे अपना दायां गाल दे दो।" आपको डॉ. विनय अग्रवाल में भी गांधीजी की छाया नजर आती है। पेशे से मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े हुए डॉ. अग्रवाल अपने स्तर पर लगातार वाल्मीकि समाज के नौजवानों को रोजगार और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्हें दलितों के हक में गांधीजी के किए काम प्रभावित करते हैं। गांधीजी ने मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए आंदोलनों का समर्थन किया। डॉ. अग्रवाल का बचपन राजधानी के कृष्णा नगर में बीता।

उस दौरान उन्होंने वाल्मीकि समाज की बदहाली को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद वे जब सक्षम हुए तो उन्होंने वाल्मीकि समाज के लिए ठोस काम करने शुरू किये। इसकी प्रेरणा उन्हें गांधीजी से ही मिली। वे कहते हैं कि गांधी की आत्मकथा पढ़ने वाले भलीभांति जानते हैं कि वे बचपन से ही अस्पृश्यता को नहीं मानते थे। अब 62 वर्षीय कृष्णा विद्यार्थी को लें। वे राजधानी के पंचकुइयां रोड पर स्थित वाल्मीकि मंदिर के कामकाज को देखते हैं। वाल्मीकि मंदिर और गांधीजी का गहरा संबंध रहा है। वे इसी मंदिर परिसर के एक साधारण से कमरे में 1 अप्रैल 1946 से लेकर 10 जून 1947 तक रहे। कृष्ण विद्यार्थी बीते चालीस सालों से उस कमरे को रोज सुबह साफ-स्वच्छ करते हैं, जिसमें गांधीजी रहते थे। वाल्मीकि समाज से रिश्ता रखने वाले कृष्ण विद्यार्थी कहते हैं कि गांधीजी वाल्मीकि समाज की दशा को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत सक्रिय रहे। गांधीजी ने वाल्मीकि परिवारों के बच्चों को यहां पढ़ाया भी। उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब गांधीजी 7 सितंबर, 1947 को अंतिम बार दिल्ली आए तो उन्हें वाल्मीकि बस्ती की बजाय बिड़ला हाउस लेकर जाया गया। तब कहा गया कि वाल्मीकि बस्ती उनके लिए असुरक्षित है। पर जो जगह कहने को सुरक्षित थी, वहां पर ही उन्हें मार डाला गया। कृष्ण विद्यार्थी के नेतृत्व में यहां पर हरेक 2 अक्तूबर और 30 जनवरी को सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित होती है।

दीर्घ जीवन यानी वार्धक्य दीर्घ अभिशाप न बने

ललित गर्ग

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।

वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे। आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो। प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में ह्वविश्व स्वास्थ्य संगठनह्न ने ह्ववृद्धावस्था को सुखी बनाइएह्न जैसा नारा दिया और ह्वसबके लिए स्वास्थ्यह्न का अभियान प्रारम्भ किया गया। एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता हैय यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप ह्न वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरूआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता ह्न वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।बड़े शहरों में परिवार से उपेक्षित होने पर बूढ़े-बुजुर्गों को ह्वओल्ड होम्सह्न में शरण मिल भी जाती है, पर छोटे कस्बों और गांवों में तो ठुकराने, तरसाने, सताए जाने पर भी आजीवन घुट-घुट कर जीने की मजबूरी होती है। यद्यपि ह्वओल्ड होम्सह्न की स्थिति भी ठीक नहीं है। पहले जहां वृद्धाश्रम में सेवा-भाव प्रधान था, पर आज व्यावसायिकता की चोट में यहां अमीरों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय परिवार के वृद्धों के लिए जीवन का उत्तरार्द्ध पहाड़ बन जाता है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। पर कौन सोचता है, किसे फर्सत है, वृद्धों की फिक्र किसे हैं? भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, आज वृद्धजन अपनो से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-ह्वदीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशापह्न, दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है।

एग्री इंफ्रा फंड से बदल रहा किसानों का जीवन

शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का किसानों के प्रति गहरा प्रेम और संवेदनशीलता, उनके द्वारा लिए गए निर्णय, नीतियों और योजनाओं में स्पष्ट नजर आती है। अन्नदाताओं का जीवन बदलना ही उनका प्रथम लक्ष्य है और संकल्प भी। यही कारण है कि सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में कृषि और किसान सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहे ' उनके नेतृत्व में, सरकार किसानों के सशक्तीकरण और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी नीतियों में स्पष्ट रूप से झलकता है। भारत में फसल के बाद होने वाला नुकसान बड़ी चुनौती है, जो कृषि क्षेत्र की क्षमता और लाखों किसानों की कड़ी मेहनत को प्रभावित कर रहे हैं। हाल के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष इसके कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 16-18% नष्ट हो जाता है ' ये नुकसान कटाई, थ्रेसिंग, भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण सहित विभिन्न चरणों के दौरान होते हैं। उचित भंडारण की कमी, कोल्ड चेन और अपर्याप्त प्रसंस्करण इकाइयाँ, कुशल लॉजिस्टिक्स का अभाव इन बड़े नुकसानों में योगदान करते हैं, जिससे देश की समग्र खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इन्हे मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार नए सिरे से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए नवाचार के नित नये उपाय किये जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के शोध को लैब से लैंड तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है, जिससे किसानों की उत्पादन की लागत घटे और फायदा ज्यादा हो। प्रधानमंत्री दूरदृष्टा हैं जिनके द्वारा जुलाई 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में एआईएफ की शुरूआत की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने और खाद्यान्न की बबार्दी को कम करने के लिए कृषि परिसंपत्तियों के माध्यम से फसलोपरांत प्रबंधन परियोजनाओं और नए युग की तकनीकों को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों का समाधान करना है। एआईएफ के तहत, बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा 3% प्रति वर्ष की ब्याज छूट और सीजीटीएमएसई के तहत 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज के साथ ऋण के रूप में 1 लाख करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस पहल के माध्यम से सरकार का उद्देश्य न केवल उपज की गुणवत्ता और मात्रा को संरक्षित करना है, बल्कि किसानों को बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुँचने में सक्षम बनाना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व के परिणामस्वरूप अगस्त 2024 तक योजना के लाभ के लिए पात्र 35,747 करोड़ रुपये सहित इस योजना के तहत स्वीकृत राशि 47,500 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है और 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण हो चुका है। उल्लेखनीय रूप से स्वीकृत परियोजनाओं में से 54% योजनाएं किसानों, सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं, जो प्रधानमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप खेत-स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में किसानों की मजबूत भागीदारी को प्रदर्शित करती हैं। कृषि उपज का फसलोपरांत नुकसान का समाधान हो सके, इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी अत्यंत गंभीर है। उन्होंने भंडारण (ड्राई और कोल्ड), परिवहन आदि में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, ताकि किसानों को फसल नुकसान से बचाया जा सके। शुष्क भंडारण के संदर्भ में, खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भारत में 1740 लाख मीट्रिक टन क्षमता के स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है और वर्तमान में भारत में कुल अनाज उत्पादन की भंडारण क्षमता 44% है, जो बहुत कम है। इसी प्रकार बागवानी उत्पादों के लिए भारत में लगभग 441.9 लाख मीट्रिक टन भंडारण की कोल्ड चेन क्षमता है जो देश में फलों और सब्जियों के उत्पादन का केवल 15.72% है। इन पूर्ण परियोजनाओं ने क्षेत्र की भंडारण क्षमता में लगभग 500 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, नई शुष्क भंडारण सुविधाएं प्रति वर्ष 18.6 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का संरक्षण कर रही हैं, जिससे लगभग 5,700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उचित कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के विकास से बागवानी उत्पादों के नुकसान में 10% की कमी आई है, जिससे फसलोपरांत 3.5 लाख मीट्रिक टन उपज सुरक्षित हो रही है और हर साल लगभग 1,250 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री का कृषि क्षेत्र और किसानों के प्रति यह समर्पण न केवल उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एआईएफ से कृषि अवसंरचनाओं के विकास को नई गति मिली है। अगस्त 2024 तक, एआईएफ के तहत देश भर में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 74,695 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन इंफ्रास्ट्रक्चर में 18,508 कस्टम हायरिंग सेंटर, 16,238 प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, 13,702 गोदाम, 3,095 छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां, 1901 कोल्ड स्टोर और कोल्ड चेन और 21,251 अन्य प्रकार के एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। 74,695 परियोजनाओं की मंजूरी से कृषि क्षेत्र में कुल 78,702 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जो महत्वपूर्ण प्रगति को दशार्ता है। प्रधानमंत्री ने न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, बल्कि युवाओं और किसानों के बीच उद्यमशीलता को भी प्रोत्साहित किया है, जिससे लगभग 50,000 नए कृषि उद्यम स्थापित हुए हैं। सरकार के प्रयासों से युवा भी कृषि की और आकर्षित हो रहे हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। यह कदम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इन प्रयासों ने 800,000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं और भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.5 मिलियन नौकरियों का सृजन होगा।

हिजबुल्लाह आतंक के खात्मे की गारंटी नहीं है नसरल्लाह की मौत?

मनोज कुमार अग्रवाल

इजरायल की लगातार हिजबुल्लाह आतंकियों को निशाना बनाते हुए उनके ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के दौरान हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह मारा गया. इजारयली डिफेंस फोर्स ने कहा कि अब हसन नसरल्लाह दुनिया में आतंक नहीं फैला पाएगा. हसन नसरल्लाह 32 साल से संगठन को चीफ था लेकिन क्या हिजबुललाह चीफ नसरल्लाह के मारे जाने से आतंकवाद दफन हो जाएगा? दरअसल जरूरत नसरल्लाह के खात्मे की नहीं उस कट्टरपंथी आतंकी मानसिकता के सफाए की है जो नसरल्लाह को जन्म देती है।

आपको बता दें कि लेबनान में इजरायल के बड़े हवाई हमले में विश्व के सबसे बड़े सशस्त्र और आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के प्रमुख सैयद हसन नसरल्लाह की मौत हो गई । ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह ने भी पुष्टि की है कि 32 वर्षों तक समूह का नेतृत्व करने वाला नसरल्लाह शुक्रवार के हमले में मारा गया है।अब हिजबुल्लाह अपने 42 साल के इतिहास में सबसे भारी हमले के बाद एक नए प्रमुख को चुनने की चुनौती का सामना कर रहा है।इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर एयर स्ट्राइक कर हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मार गिराया. इसके बाद उनके चचेरे भाई हाशिम सफीद्दीन को हिजबुल्लाह चीफ घोषित किया गया है. नसरल्लाह की मौत का रोष जम्मू कश्मीर में देखने को मिला है. यहां विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रा ने कहा कि आपने एक हिजबुल्लाह को मारा है अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा', नसरुल्लाह की मौत पर इजरायल पर आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर के बडगाम की सड़कों लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया. लोगों ने नसरल्लाह के पोस्टर के साथ इजरायल के खिलाफ नारे लगाए। काश्मीर में प्रदर्शन कर रहीं एक छात्रा ने इजरायल पर गुस्सा दिखाते हुए कहा, "मैं हर उस इंसान से बात कर रही हूं, जो फिलिस्तीन के खिलाफ है. मैं लेबनान के लोगों को हौसला देना चाहूंगी कि वो बिल्कुल भी फिक्र न करें जो हम उनके साथ हैं. हम उनका साथ कभी नहीं छोड़ेंगे. आपको पता नहीं है कि आपने किसको शहीद किया है. अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा."न्यूज चैनल के मुताबिक इस एयर स्ट्राइक में नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की भी मौत हुई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस कमांडर सेंटर पर इजरायल ने हमला किया था, वहां नसरल्लाह की बेटी का शव मिला। इजरायल ने यह हमला तब किया नसरल्लाह और ईरान समर्थित समूह के कई अन्य नेता लेबनान की राजधानी बेरूत में एक बंकर में जमा हुए थे. ये लोग दक्षिण बेरूत के व्यस्त इलाके में जमीन से 60 फीट नीचे इजरायल पर हमले की प्लानिंग कर रहे थे. इस क्षेत्र को तबाह करने के लिए आईडीएफ ने लगभग 80 टन बम का इस्तेमाल किया था।

दहियाह के बेरूत उपनगर में हमला इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के तुरंत बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कसम खाई थी कि हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल का अभियान जारी रहेगा। जानकारी के मुताबिक, विस्फोट से कुछ समय पहले ही इससे पहले हुई स्ट्राइक में मारे गए वरिष्ठ कमांडर सहित तीन हिजबुल्लाह सदस्यों के अंतिम संस्कार के लिए लोग जमा हुए थे।बीते शुक्रवार (27 सितंबर) को इजरायल के हवाई हमले में मारे गए हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरुल्लाह का शव बरामद कर लिया गया है. सुरक्षा और मेडिलकल टीम ने शव को हमले वाली जगह से ही बरामद किया है. वहीं, इजरायल लगातार हिजबुल्लाह पर हमले कर रहा है और रविवार (29 सितंबर) को लेबनान से सटी सीमा पर टैंक तैनात किए हैं.सूत्रों ने कहा कि उसके शरीर पर कोई सीधा घाव नहीं था और ऐसा लग रहा है कि मौत का कारण तेज धमाके से हुए ट्रॉमा रहा होगा. उधर, इजरायल ने कहा कि हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले जारी हैं. एक नए अपडेट में, इजरायली सेना ने कहा कि उसने पिछले कुछ घंटों के दौरान लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमला किया है. सेना का कहना है कि हमलों का उद्देश्य हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर और हथियार गोदामों को तबाह करना था।महीनों की योजना और कई खुफिया सूचनाओं के बाद, इजरायल ने एक अंडरग्राउंड बंकर पर सटीक हमला किया, जहां नसरल्लाह और कई अन्य हिजबुल्लाह नेता बैठक कर रहे थे. यह बंकर दक्षिण बेरूत की एक व्यस्त सड़क से 60 फीट नीचे स्थित था.पिछले कुछ हफ्तों में इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने लेबनान के अंदर अपने हमले तेज कर दिए हैं. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दावा है कि इन हमलों का उद्देश्य आतंकवादी ग्रुप हिजबुल्लाह को तबाह करना है जो कथित तौर पर इजरायल में नागरिकों पर हमला करने की योजना बना रहा है।

कौन था नसरल्लाह?

31 अगस्त 1960 को बेरूत के उत्तरी बुर्ज हम्मूद उपनगर में जन्मे नसरल्लाह का जन्म एक गरीब किसान परिवार हुआ था। उसके आठ भाई-बहन थे। नसरल्लाह शिया समुदाय से ताल्लुक रखता था।उसके पिता अब्दुल करीम एक छोटी सी सब्जी का दुकान चलाते थे। 1975 में लेबनान में गृह युद्ध छिड़ जाने के बाद वे अमल आंदोलन में शामिल हो गया था।हसन नसरल्लाह के परिवार की बात करें तो उसकी पत्नी का नाम फातिमा यासीन है। उसके चार बच्चे थे। उसके सबसे बड़े बेटे की सितंबर 2017 में मौत हो गई थी। वो हिजबुल्लाह का लड़ाका था।

साल 1992 में नसरल्लाह को हिजबुल्लाह का महासचिव बनाया गया था। उसने अब्बास अल-मुसावी की जगह ली थी। मुसावी को भी इजरायल ने ही मार गिराया था। उसे जबरदस्त वक्ता माना जाता था।हसन नसरल्लाह को कड़ी सुरक्षा में रखा जाता था। एक इंटरव्यू में नसरल्लाह ने कहा था कि वो बंकर में नहीं रहते, लेकिन वो समय-समय पर अपना ठिकाना बदलते रहते हैं। गौरतलब है कि जो उसका इंटरव्यू लेने जाते थे उन्हें ये तक पता नहीं होता कि वहां पर कहां पर मौजूद हैं।दशकों से नसरल्लाह अपने भाषणों को खुफिया स्थान से जाकर प्रसारित करता था। वो न सिर्फ लेबनान में बल्कि पश्चिम एशिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक था। बताया है कि लेबनान के बेरूत में हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह के मारे जाने से कुछ घंटे पहले एक ईरानी जासूस ने इजरायली अधिकारियों को उनके ठिकाने के बारे में जानकारी दी थी। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत हो गई है. इसकी आंच भारत तक पहुंच गई है. भारत के जम्मू व कश्मीर के लोगों ने हसन नसरल्लाह की मौत की मुखालफत की है. जम्मू व कश्मीर के बडगाम इलाके में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने हसन नसरल्लाह की मौत की मुखालफत की. विरोध प्रदर्शन में हसन नसरल्लाह के सपोर्ट में एक रैली निकाली गई, इसमें औरतें और बच्चे भी शामिल हुए। महबूबा मुफ्ती ने बताया शहीद जम्मू व कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को हसन नसरल्लाह की मौत के दुख में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का विधानसभा चुनाव अभियान रोक दिया. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लेबनान और गाजा के लोगों के साथ खड़ी है. महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर लिखा कि "मैं गाजा और लेबनान खासकर हसन नसरल्लाह की शहादत के वास्ते कल का अपना चुनावी अभियान रोकती हूं. इस अपार दुःख और प्रतिरोध की घड़ी में हम लेबनान और गाजा के लोगों के साथ खड़े हैं." सवाल उठता है कि भारत में काश्मीर की सड़कों पर हर घर से निकलेगा नसरल्लाह के नारे लगाने के पीछे कौन लोग हैं? इनकी मानसिकता क्या है? दरअसल नसरल्लाह के समर्थक उसे आतंक का सरगना या सरपरस्त मानने के लिए तैयार नहीं है। अंजुमन-ए-शरी के अध्यक्ष शियान आगा सैयद ने कहा कि हम उनकी (हसन नसरल्लाह) मौत पर कितना भी शोक मनाएं, यह हमेशा कम होगाङ्ग शांति होनी चाहिए और यही उनका मिशन था। उस पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया गया था ताकि लोगों को पता न चले कि वह मानवता के लिए क्या कर रहा है और वह क्या चाहता है। वह फिलिस्तीन के लोगों के लिए फिलिस्तीन को आजाद कराना चाहता था। मैं पूरी मानव जाति से और इस्लामिक देशों के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि उनकी शहादत ऐसे ही नहीं जाने देना चाहिए। उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता लेकिन इतना तय है कि उनके खून से हजारों नसरल्लाह पैदा होंगे और इस मिशन को आगे बढ़ाएंगे और सफलता हासिल करेंगे।उधर हमास के आतंकी भी नसरल्लाह की मौत का बदला लेने की बात कह रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि इजराइल के कंधे पर अमेरिका का हाथ है और अमेरिका इजराइल के कंधे पर बंदूक रख कर हिजबुललाह का सफाया करने में मददगार बना है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ता मंगलवार को बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने सरकार को नींद से जगाने हेतु राष्ट्रपति ने नाम कलेक्टर को ज्ञापन देंगे

चमकता राजस्थान/जयपुर, 30 सितम्बर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा आमजनता की समस्याओं एवं मांगों को प्रदेश सरकार तक पहुंचाने तथा सरकार को नींद से जगाने हेतु दिनांक 01 अक्टूबर, मंगलवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम जन समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के लगभग 10 माह के कुशासन में आमजन के हित में किसी प्रकार का कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है तथा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल रही है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी जिला व ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों को निर्देशित किया है कि दिनांक 01 अक्टूबर, मंगलवार को सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां प्रदेश में किसानों को अतिवृष्टि से हुए फसल खराबें का उचित मुआवजा दिलवाने, बिगड़ती कानून व्यवस्था, प्रदेश में माफियाओं द्वारा अवैध खनन करने पर रोक लगवाने, बढ़ते महिला अपराध एवं अत्याचारों की रोकथाम, युवाओं के लिए रोजगार तथा बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को तुरन्त दुरूस्त करने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए वादे की अनुपालना करवा कर हरियाणा प्रदेश के बराबर पेट्रोल-डीजल की कीमतें करवाने, बढ़ती महंगाई की रोकथाम सहित 10 मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेंगे ।

कारपेंटर संघ की बैठक हिंडौन सिटी में हुई आयोजित

चमकता राजस्थान। हिंडौन सिटी (राजवीर सिंह)। कारपेंटर संघ की बैठक सोमवार को प्रभु पैलेस में आयोजित हुई, सफी मिस्त्री ताज ने बताया कि सोमवार को हिंडौन के प्रभु पैलेस में कारपेंटर संघ की बैठक आयोजित हुई। फकरू मिस्त्री, ज़ाकिर मिस्त्री, यूसुफ मिस्त्री, रामबाबू मिस्त्री, फ़रमान चौधरी ने यूनियन की मजबूती को लेकर अपने अपने विचार रखे, अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने मिस्त्रीयों के हित मे महत्वपूर्ण फैसले लिए इस मौके पर शुगर मिस्त्री, मुनीम मिस्त्री रफीक मिस्त्री, नवाब मिस्त्री आदि मोजूद रहें।

एस यू पी डब्लू शिविर का शुभारंभ किया

चमकता राजस्थान। हिंडौन (राजवीर सिंह)। शहीद सोहन सिंह सोलंकी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज एस यू पी डब्लू शिविर का शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेन्द्र गारूवाल करई रहें।मुख्य अतिथि गारूवाल ने समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा की महत्व व शिविर में करवाए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य राम जनक गुर्जर, समस्त स्टाफ गण और छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

लंबे समय के बाद खुली हाउसिंग बोर्ड की ई-नीलामी

प्रमुख शहरों में की जाएगी प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से लंबे समय बाद राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी की जा रही है। राजस्थान आवासन मण्डल ने जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में स्थित आवासीय - व्यावसायिक भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के माध्यम से उपलब्ध करवाए हैं।

» आवासन मंडल की ओर से प्रीमियम प्रॉपर्टी की ई-नीलामी ,4 स्लॉट्स में की जाएगी प्रीमियम प्रॉपर्टी की ई-नीलामी

आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने कहा कि राजस्थान आवासन मंडल एक बार फिर आमजन के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम संपत्ति खरीदने का आमजन के पास अब सुनहरा मौका है। आवासन मंडल की ओर से जयपुर, भरतपुर, फलोदी, बीकानेर, अलवर, चूरू, सीकर, जोधपुर और भिवाड़ी में प्रीमियम संपत्तियों की ई-नीलामी की जा रही है।

● डॉ शर्मा ने बताया कि राजस्थान में 4 स्लॉट्स में ई-नीलामी होगी

» 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर और 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 4 अलग-अलग स्लॉट्स में भूखंडों की नीलामी होगी। जिनमें आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह के भूखंड और आवासीय निर्माण शामिल हैं।

● किस शहर में कितनी प्रीमियम सम्पत्ति ?

» जयपुर में 11 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 39 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 31 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

● बीकानेर में 46 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

» भिवाड़ी में 3 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 29 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

● फलोदी में 1 बड़ा व्यावसायिक भूखंड

अलवर में 3 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड और निर्मित आवास

» चूरू में 9 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

» सीकर में 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

» भरतपुर में 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास

नीलामी में भाग लेने और अधिक जानकारी के लिए आमजन http://rhb.rajasthan.gov.in पर लॉगिन कर या हेल्पलाइन नं. 0141-2744688, 2740009, एवं 9460254319, पर संपर्क कर सकते है।

● त्योहारी सीज़न में सुनहरा मौका, अधिक से अधिक लोग उठाएं लाभ- आयुक्त

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि त्योहारी सीज़न में आमजन के लिए प्रीमियम प्रॉपर्टी खरीदने का यह सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि आवासन मंडल की ओर से आगे भी विभिन्न आवासीय योजनाओं व नीलामी के प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

उर्वरक विक्रय की शिकायतों के सम्बंध में नियंत्रण कक्ष स्थापित

किसान उर्वरक के परिगमन, कालाबाजारी, अवैध भण्डारण, अधिक दर की कर सकेंगे शिकायत

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह)। रबी 2024-25 में डीएपी, एसएसपी व अन्य उर्वरकों को दूसरे राज्य में परिगमन, कालाबाजारी, अवैध भण्डारण, अधिक दर पर उर्वरक विक्रय की शिकायतों आदि के निस्तारण के लिए कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। संयुक्त निदेशक कृषि आरसी महावर ने बताया कि कन्ट्रोल रूम नम्बर 8000907075 पर किसान अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर निगरानी हेतु प्रभारी अधिकारी लगाये गये हैं एवं चिकसाना, ऊँचा नगला, रूपवास, खानवा तथा बंधबारैठा पर चैक पोस्ट की स्थापना की गई है।

संयुक्त निदेशक कृषि ने बताया कि जिले में सरसों की बुवाई का कार्य शुरू होने वाला है, सरसों की बुबाई पूरे अक्टूबर माह में की जा सकती है। उन्होंने बताया कि बुवाई सबसे उपयुक्त समय 10 से 25 अक्टूबर है। सरसों की बुबाई के समय आम तौर पर किसान डीएपी खाद का प्रयोग अधिक करते है, जिसका भूमि पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि सरसों की अच्छी पैदावार के लिए गंधक तत्व की आवश्यकता होती है, जो दाने में तेल की मात्रा बढ़ाने के साथ दाने में चमक लाती है। डीएपी से सिर्फ 46 प्रतिशत फास्फोरस एवं 18 प्रतिशत नाइट्रोजन तत्व मिलता है इसमें गंधक तत्व नहीं होता है।

संयुक्त निदेशक कृषि ने बताया कि सरसों फसल के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने अनुसंधान में पाया गया है कि सिंगल सुपर फास्फेट खाद के प्रयोग से, इसकी पैदावार तथा तेल की मात्रा दोनो बढती है। सिंगल सुपर फास्फेट में 16 प्रतिशत फास्फोरस तत्व के साथ 11 प्रतिशत गंधक तत्व मिलता है। सिंगल सुपर फास्फेट का फास्फोरस पानी घुलनशील है जो पौधों को तुरन्त उपलब्ध हो जाता है जबकि डी.ए.पी. का फास्फोरस साइट्रेट अमल में घुलनशील होता है जो भूमि में अघुलनशील हो जाता है और पूरी मात्रा में पौधों को नहीं मिल पाता जिससे जमीन खराब हो जाती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि डीएपी के स्थान पर एसएसपी के 3 बैग व यूरिया के 1 बैग प्रति हैक्टेयर में प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि इस समय जिले में पर्याप्त मात्रा में सिंगल सुपर फास्फेट खाद उपलब्ध है।

भारत विकास परिषद मुख्य शाखा बाड़ी द्वारा 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का 'द्वितीय चरण' संपन्न

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में भारत को जानो प्रकल्प प्रभारी अर्चना मंगल ने बताया कि भारत विकास परिषद मुख्य शाखा बाड़ी द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता का द्वितीय चरण शहर के इ. र गार्डन मैरिज होम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अतिथि एवं निर्णायक के रूप में पधारे बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद शर्मा, सीनियर हायर सेकंडरी विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिओम सिकरवार एवं रिटायर उप प्राचार्य नत्थीलाल पहाड़िया के सान्निध्य में संपन्न कराया गया। शहर की कुल 12 विद्यालयों की टीमों द्वारा भाग लिया गया। कनिष्ठ व वरिष्ठ दोनों वर्गों में प्रथम स्थान पर विक्टर इन्फेंट स्कूल के विद्यार्थी रहे। जिसमें विक्टर इन्फेंट के विद्यार्थी एवं प्रधानाचार्य आशीष बंसल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान पर आने वाली टीम 13 अक्टूबर 2024 को भुसावर में प्रांत स्तर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम में रीजनल सयुक्त महासचिव डॉ. शिवदयाल मंगल, प्रांतीय महिला संयोजिका सरोज मंगल, जिला सनव्यक हरिओम बंसल, शाखा संवयक प्रमोद गर्ग, शाखा अध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, महिला संयोजिका रितु सिंगल, शाखा सचिव दीपक सिंघल, कोषाध्यक्ष गोबिंद गर्ग आदि सदस्य मौजूद रहे।

डेल्फ़िक क्लब भारतीय विद्या भवन का उद्घाटन मंगलवार को

● नृत्य कार्यशाला के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर 30 सितम्बर। डेल्फ़िक क्लब भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम जयपुर द्वारा राजस्थान डेल्फ़िक काउंसिल के तत्वावधान में डेल्फ़िक क्लब का उद्घाटन समारोह और नृत्य कार्यशाला का आयोजन 1 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे से महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम, भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम, जयपुर में होगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती श्रेया गुहा, अध्यक्ष, डेल्फ़िक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान और विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, जिला कलेक्टर, जयपुर होंगे। इस अवसर पर प्रख्यात नृत्यांगना श्रीमती मनीषा गुलयानी एक नृत्य कार्यशाला भी आयोजित करेंगी। श्रीमती मनीषा पं. गिरधारी महाराज की शिष्या हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और डेल्फ़िक काउंसिल एवं डेल्फ़िक क्लब के परिचय से होगी। इसके बाद विद्याश्रम के छात्रों द्वारा गणेश स्तुति (तबला वादन) और विष्णु स्तुति (कथक नृत्य) की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। इसके साथ ही राजस्थान डेल्फ़िक काउंसिल की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित एक वीडियो भी दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम का समापन श्रीमती मनीषा गुलयानी के सम्मान, मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के प्रोत्साहनपूर्ण शब्दों और भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम के प्राचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ होगा।

सियाराम शिक्षक संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। यहां गायत्री शक्तिपीठ पर प्रदेश सरंक्षक श्यामसिंह जघीना, पर्यवेक्षक यादवचंद लवानिया, पूनम चतुर्वेदी व चुनाव प्रभारी मुकेश पाराशर की मौजूदगी में सियाराम शिक्षक संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें राजेन्द्र जिलेदार को निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि, अंकुर जिंदल ब्लॉक मंत्री, कपिल लवानिया कोषाध्यक्ष, हनुमान गुर्जर कार्यालय अध्यक्ष, रामविजय सिंह कार्यालय मंत्री, मौसम कुम्हार महिला उपाध्यक्ष, रेखा सिंह व बीना शर्मा महिला मंत्री, लक्ष्मन उपाध्याय व गिरधारी लवानिया संरक्षक मंडल व पन्नालाल शर्मा को सभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में उमेश कुमार, रामकरण मीणा, धीरसिंह गुर्जर, यशपाल, वंदना फौजदार, लालतेश शर्मा, नन्दलाल फौजदार, जितेन्द्र फौजदार, विष्णु शर्मा, मंजू शर्मा, विष्णु भगवान कटारा, विक्रम सिंह व कुलदीप भातरा को शामिल किया गया। बाद में शिक्षक संघ सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया।

भाजपा श्रीनगर मण्डल प्रत्येक पर भाजपा के 200 सदस्य बंनाने का संकल्प

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक /श्रीनगर। नसीराबाद भाजपा श्रीनगर मंडल अध्यक्ष के के जोशी तिहारी ने बताया कि आज नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा के मुख्य अतिथि में भाजपा सदस्यता अभियान को गति देने हेतु श्रीनगर मंडल बैठक का आयोजन किया गया।।

मंडल बैठक में प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रामानंद गुर्जर का मार्गदर्शन मिला। मंडल अध्यक्ष के के जोशी द्वा-रा मंडल बैठक की अध्यक्षता ग्रहण करते हुए मंडल में किए गए पूर्व कार्यक्रम की रूपरेखा एवं सदस्यता अभियान की जानकारी दी गई।

प्रदेश प्रवासी रामानंद गुर्जर ने संबोधित करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को कहां की भारतीय जनता पार्टी का सदस्य अभियान बहुत अहमम हैं हम सभी कार्यकर्ताओं को इसको विशेष रूप से ध्यान देते हुए सदस्यता अभियान में गति देनी है क्योंकि आगामी पंचायती राज चुनाव और संगठन के चुनाव में जो कार्यकर्ता सो सदस्य बनाएगा वही इन चुनाव में भाग ले पाएगा।

रामानंद गुर्जर ने कहा कि पार्टी सदस्यता अभियान को गंभीर रूप से ले रही है और सभी पर नजर बनाकर रखी हुई है इसलिए आगामी चुनाव में यह अभियान आपके लिए बहुत मददगार होगा

प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनने चाहिए और स्वयं सक्रिय सदस्य बनने के लिए 50 सदस्य उस बूथ के जोड़ने होंगे जिस बूथ में आप रहते होंगे।।

रामानंद गुर्जर ने कहा कि हम सदस्यता अभियान के द्वितीय चरण में प्रवेश कर गए हैं और अब ऑफलाइन फार्म के माध्यम से भी सदस्यता अभियान गति दी जाएगी इसलिए भूत पर धरातल पर नीचे जाते हुए सरकार की योजनाओं को बताते हुए हम सभी को अधिक से अधिक लोगों को सदस्यता अभियान से जोड़ना है नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लंबा संबोधित करते हुए कहा कि सदस्यता अभियान में किसी प्रक ार की कमी नहीं रहनी चाहिए हम सभी को इसमें बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए सदस्य बनने चाहिए।

नसीराबाद विधायक द्वारा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान भी मौके पर पर किया गया।।

मंडल संयोजक सदस्यता अभियान सत्यनारायण जांगिड़ द्वारा सभी का धन्यवाद आभार प्रकट करते हुए मीटिंग का समापन घोषणा की गई। इस अवसर पर नसीराबाद विधायक महोदय रामस्वरूप लांबा भाजपा अजमेर देहात जिला उपाध्यक्ष शक्ति सिंह रावत जिला उपाध्यक्ष सुनीता यादव मंडल अध्यक्ष के के जोशी तिहारी, मंडल महामंत्री महावीर मेघवंशी महामंत्री मेघराज रावत मंडल उपाध्यक्ष हरि ओम मंडल उपाध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड़ रामस्वरूप चौधरी पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधी रामसिंह रावत युवा मोर्चा अध्यक्ष महावीर जांगिड़ वीर मीनू मिश्रा, मोहन मेघवंशी, मंडल मंत्री पूरन सिंह राजपुरोहित, मंडल मंत्री कुलदीप जोशी मंडल महामंत्री युवा मोर्चा कमलेश नगर महामंत्री किसान मोर्चा हंसराज रावत , अनील लखारा, अंकुश राठी,शक्ति केंद्र संयोजक बूथ अध्यक्ष एवं सभी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर के निर्देश पर रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई

- पेट्रोल के अवैध भंडारण का किया पर्दाफाश, 359 लीटर पेट्रोल किया बरामद

चमकता राजस्थान। जयपुर,! (खलील कुरैशी) 30 सितंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर रसद विभाग ने जयपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला रसद अधिकारी, जयपुर द्वितीय श्री त्रिलोक चन्द मीना ने बताया कि विभाग के प्रवर्तन दस्ते ने जिले के दो स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से स्टॉक किया गया 359 लीटर पेट्रोल बरामद किया है।सांगानेर के छीतरोली में एचपीसीएल डिपो के पीछे विभाग के प्रवर्तन दल ने कार्रवाई करते हुए एक बाड़े से 202 लीटर पेट्रोल बरामद किया। वहीं, प्रवर्तन दल ने दूसरी कार्यवाई को अंजाम देते हुए एचपीसीएल डिपो रोड छीतरोली में एक बाड़े से अवैध भंडारित किये गए 157 लीटर पेट्रोल जब्त कर पुलिस थाना बगरू को सुपुर्द किया है। कार्रवाई के दौरान जिला रसद अधिकारी त्रिलोक चन्द मीना के साथ प्रवर्तन अधिकारी श्री महेश मीणा एवं प्रवर्तन निरीक्षक श्री मुकेश खींची उपस्थित रहे। जिला रसद अधिकारी द्वारा आरोपियों के खिलाफ थाना बगरू में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गई है।

राजस्थान के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं : अजिताभ शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत सोमवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में 'इन्वेस्टर मीट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

दिल्ली में आयोजित इस 'इन्वेस्टर मीट' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और राजस्थान सरकार के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

इस अवसर पर उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ

शर्मा ने एक प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि राजस्थान दिल्ली से काफी नजदीक है और इस स्ट्रैटेजिक लोकशन का फायदा राज्य में निवेश करके निवेशक उठा सकते हैं, क्योंकि राजस्थान के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

उद्योग जगत के दिग्गजों ने लिया हिस्सा दिल्ली के इस इन्वेस्टर मीट में उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने भी हिस्सा लिया। इनमें डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के अध्यक्ष और सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर अजय एस. श्रीराम, टाटा पावर के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. प्रवीर सिन्हा, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल, जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक शेट्टी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संजय अग्रवाल, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बनर्जी और जेके सीमेंट लिमिटेड के डेप्युटी मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ माधव सिंघानिया शामिल थे। इस 'इन्वेस्टर मीट' के दौरान राजस्थान में निवेश के लिए राज्य सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन और विभिन्न कंपनियों के बीच 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश संबंधी एमओयू (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

कई बड़ी कंपनियों से किया गया एमओयू

इस 'इन्वेस्टर मीट' में उद्योग एवं व्यापार जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुए और इस दौरान अक्षय ऊर्जा, पावर ट्रांसमिशन, तेल और गैस, सीएनजी, लॉजिस्टिक्स, एग्रोटेक जैसे कई क्षेत्रों में निवेश के लिए एमओयू (टङ्खव२) किया गया। प्रदेश में निवेश के लिए जिन प्रमुख कंपनियों और औद्योगिक समूहों ने सरकार के साथ एमओयू (टङ्खव२) किया, उनमें टाटा पावर, इंडियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एनएचपीसी, रिलायंस बायो एनर्जी, टोरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया, ऑयल इंडिया, जिंदल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक्स, जेके सीमेंट, बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इस दौरान, देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को राज्य में निवेश करने और 9-10-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

'तम्बाकू फ्री यूथ कैम्पेन' 2.0

तम्बाकू सेवन के घातक परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बेहद ज़रूरी : सीएमएचओ

चमकता राजस्थान

जयपुर । जिले में चिकित्सा विभाग की ओर से ₹तम्बाकू फ्री यूथ कैम्पेन₹ 2.0 चलाया जा रहा है। कैम्पेन के 60 दिवसीय कार्ययोजना के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत जिले में विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने मीडिया को बताया कि कैम्पेन के तहत युवाओं को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा। जिला, ब्लॉक व ग्रामपंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को तम्बाकू सेवन के खतरों के बारे में जागरूक किया जाएगा। कार्य योजना के तहत जिला, ब्लॉक व ग्रामपंचायत स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त करने के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित कई नवाचार किए जाएंगे। साथ ही जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बैठकों में तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत का प्रस्ताव तैयार करने की भी योजना बनाई गई है।

प्रत्येक पंचायत में रोल मॉडल बनाए जायेंगे, जोकि आमजन को तंबाकू उत्पादों का सेवन नही करने हेतु प्रेरित करेंगे। अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर स्टैकहोल्डर्स की कार्यशाला का आयोजन, शिक्षण संस्थाओं, चिकित्सा संस्थानों, आंगनबाड़ियों को तंबाकू मुक्त करना, तंबाकू उपभोगियों की पहचान कर परामर्श व उपचार उपलब्ध कराना, डोर टू डोर सर्वे, चालान कार्यवाही और कम्युनिटी मोबलाइजेशन आदि गतिविधियां की जायेंगी।

पीडब्ल्यूडी "यादगार" ग्रुप संवेदकों के द्वारा आयोजित किया गया गोठ का कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

जयपुर। पीडब्ल्यूडी ''यादगार'' ग्रुप संवेदकों के द्वारा हिल साइट्स रिसोर्ट, केशव विद्यापीठ पर गोठ का आयोजन किया गया,गोठ में पार्षद का चुनाव जीत कर चाक-सू नगर पालिका के चेयरमैन बने संवेदक कमलेश बैरवा को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में सुशील जांगिड़, मुकेश शर्मा, फ़ारूक़ ख़ान , अशफाक अली, जयदेव शर्मा,राम किशोर बैरवा, ओमप्रकाश राजोरा, अशोक शर्मा, सलाम भाई, रमीज़ भाई, रोहिताश सहित लगभग सौ से ज़्यादा संवेदकों ने गोठ का आनंद उठाया।

कार्यक्रम में संवेदक नवीन कुमार ने संगीत की प्रस्तुति देकर गोठ के आनंद को कई गुना बढ़ा दिया, इसमें मुख्य संरक्षक राज राठ (बाबा) ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली जो सभी संवेदकों और पीडब्ल्यूडी में चर्चा का विषय रहा। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक राजराठ (बाबा) संरक्षक कैलाश सहारा,बाबूलाल सैनी रहे।

आयोजकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संवेदकों का आभार प्रकट किया।

साथ ही देश में भाईचारा सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए दुआ की गई, इसके पश्चात संवेदकों ने दाल, बाटी,चूरमा का लुफ्त उठाया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ली अधिकारीयों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित बड़े अफसर रहे उपस्थित

अतिक्रमण, अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ करें कार्यवाही- विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर, (खलील कुरैशी) 30 सितम्बर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्देश दिए है कि प्रशासन और पुलिस अतिक्रमण, अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। आमजन में संदेश जाना चाहिए कि गलत काम करने वालो को बख्शा नहीं जाएगा।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर के सर्किट हाऊस में प्रशासन व पुलिस के बड़े अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश, जिला कलक्टर लोक बंधु और पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण के बड़े अधिकारी उपस्थित रहे उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शहर में बढ़ते अपराध, अतिक्रमण एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियां चिंताजनक है। इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। प्रशासन एवं पुलिस इस तरह के मामलों पर नजर रखे एवं सख्त कार्यवाही करें। समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि गलत काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन एवं पुलिस ऐसे लोगों व घटनाओं को चिन्हित कर त्वरित गति से एक्शन लें। जहां भी इस तरह के अपराधों के होने की आशंका है। वहां पहले ही निरोधात्मक उपाय किया जाए। देवनानी ने निर्देश दिए कि दरगार सम्पर्क सड़क, दिल्ली गेट व शहर के अन्य हिस्सों में बढ़ते अपराधों पर लगाम कसी जाए। कई बार इन अपराधों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की भूमिका सामने आती है। इन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दरगाह सम्पर्क सड़क पर स्थायी पुलिस चौकी की स्थापना शीघ्र हो। बजट घोषणा की अनुपालना में हरिभाऊ उपाध्याय नगर में थाने के निर्माण व शुरूआत का काम जल्द करवाया जाए। इसी तरह शहर में भूमाफियाओं के लोगों को परेशान करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इन्हें चिन्हित कर सख्त कार्यवाही की जाए। हाल ही में जैन समाज की दो महिलाओं का अपहरण किया गया। इस मामले में सख्त कार्यवाही हो। देवनानी ने निर्देश दिए कि चेन स्नैचिंग, अतिक्रमण एवं जुआ-सट्टा संचालन गिरोह पुनः सक्रिय हो रहा है। इनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही हो। शहर में ई-रिक्शा की संख्या बेलगाम हो रही है। इससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है। ई-रिक्शा केवल उसका वास्तविक मालिक ही चलाए। अन्य कोई चलाता पाए जाए तो कार्रवाई हो। ट्रेफिक लाइटों का प्रभावी संचालन हो, नदी-नालों पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से चल रही चाय की थड़ियों व कैफे आदि पर कई आपराधिक छवि वाले व मनचले भी एकत्र हो रहे हैं। इन कैफे पर लगातार गश्त हो व दस बजे बाद इन्हें बंद करवाया जाए। अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जाए। प्रभावी रोकथाम हो। देवनानी ने कहा कि शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से पाबन्दी लगाई जाए। उन्हें तय समय में ही प्रवेश दिया जाए। सेवन वंडर्स, भागचन्द कोठी, बजरंगढ़ घाटी वाले बालाजी एवं अन्य स्थानों पर जाम की स्थिति रहती है।

लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए राजस्व वाद निस्तारण शिविरों का हो आयोजन- जिला कलक्टर

- डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कलक्ट्रेट सभागार में ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

चमकता राजस्थान।

जयपुर,(खलील कुरैशी) 30 सितंबर। जिले में लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हो इसके लिए राजस्व अधिकारी महीने में दो दिन राजस्व वाद निस्तारण शिविरों का आयोजन करें। इन शिविरों में बार और बेंच के बीच सहयोग एवं समन्वय स्थापित करते हुए लंबे समय से राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की मिशन मोड पर सुनवाई हो ताकि आमजन को राहत मिले। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का।सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जयपुर, जयपुर ग्रामीण जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए

जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। बैठक में जिला कलक्टर ने कई राजस्व अधिकारियों को प्रदर्शन और बेहतर करने एवं लंबित राजस्व वादों में कमी लाने के लिए सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान किया।बैठक कलक्टर ने अधिकारियों को पेंशन संबंधित प्रकरणों का भी निस्तारण के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। साथ ही, रात्रि चौपाल एवं दौरों का विवरण संपर्क पोर्टल पर अपलोड करने के साथ-साथ राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने एवं रात्रि चौपाल के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर ही जनसुनवाई कर अभाव अभियोगों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित किया।बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड सहित जयपुर, जयपुर ग्रामीण जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर को लिखा पत्र, उठाया तमिल मछुआरों की रिहाई का मुद्दा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने 37 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया है, जो श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा हाल में की गई है।

गिरफ्तारी का विवरण

राहुल गांधी ने अपने पत्र में बताया कि 21 सितंबर, 2024 को 37 तमिल मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनकी नावें जब्त की गईं। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर विदेश मंत्री से अनुरोध किया कि श्रीलंकाई अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाएं और मछुआरों तथा उनकी नावों की तुरंत रिहाई सुनिश्चित करें।

मछुआरों का बचाव

राहुल गांधी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मयिलादुथुराई संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद और अधिवक्ता आर सुधा ने उन्हें सूचित किया था कि गिरफ्तार किए गए मछुआरे उस दिन एक संकट में फंसी श्रीलंकाई नाव को बचाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान, मछुआरों ने श्रीलंकाई अधिकारियों से सहायता के लिए भी संपर्क किया था। इसके बावजूद, इन मछुआरों को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। राहुल गांधी ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की है और कहा कि मछुआरों की मदद करने के प्रयास को गलत तरीके से देखा गया। उन्होंने इस मुद्दे को उठाने की अपील की है ताकि मछुआरों को तुरंत रिहा किया जा सके।

अनुचित कार्रवाई की निंदा

राहुल गांधी ने पत्र में यह भी कहा कि जब्त की गई मछली पकड़ने वाली नावें सामूहिक संसाधनों से खरीदी गई थीं। उन्होंने श्रीलंकाई अधिकारियों की कार्रवाई की कड़ी निंदा की, जो भारतीय मछुआरों की नावों और उनकी संपत्तियों को अनुचित तरीके से जब्त कर रहे हैं और उन पर भारी जुर्माना भी लगा रहे हैं। गांधी ने कहा कि ऐसी घटनाएं मछुआरों की [illegible] को प्रभावित करती हैं और इनकी रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और मछुआरों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

मैहर में दर्दनाक हादसा

- ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बस, 6 की मौत, 21 से अधिक घायल

मैहर/एजेंसी। मध्यप्रदेश के मैहर में शनिवार देर रात को हुए दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि 21 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को मैहर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर लिखे जाने तक बस में फंसे यात्रियों को और लाशों को निकालने के प्रयास किए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या और भी बढ़ सकती है। शनिवार रात 11 बजे मैहर जिले में ट्रक और यात्री बस में भिड़ंत हो गई। बस में 40 यात्री सवार थे। मैहर के नादान देहात थाना क्षेत्र से गुजरते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया। आभा ट्रेवल्स की बस क्रमांक यूपी 72 ए टी 4952 प्रयागराज से रीवा के रास्ते नागपुर जा रही थी। बस चौरसिया ढाबे के पास खड़े हाइवा क्रमांक सीजी 04 एनबी 6789 टकरा गई। हादसा इतना भीषण बता रहे हैं कि मौके पर ही 6 लोगों की लाशें बिछ गई। सड़क पर लाशों की कतारें देख हर कोई सिहर उठा था। हादसे में बस के कंडक्टर की भी मौत हो गई। बस रीवा से नागपुर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भयानक था कि कई शव बस के भीतर ही फंसे थे। बस के लोहे को गैस कटर से काटकर बाहर निकाला जा रहा है। हालांकि प्रशासन की तरफ से देर रात तक मृतकों की संख्या नहीं बताई है। बस आभा ट्रेवल्स की बताई जा रही है। बस में सवार ज्यादातर यात्री इलाज के लिए नागपुर जा रहे थे।घटनास्थल पर मैहर के एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, मैहर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल और एसपी राजीव पाठक भी पहुंच गए थे।

मन की बात के 10 साल को पीएम मोदी ने बताया खास

किया झांसी की जल सहेलियों की तारीफ

नयी दिल्ली/एजेंसी।

पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने इस कार्यक्रम के दस साल की यात्रा पर बात की। पीएम मोदी ने कहाकि 10 साल के मन की बात के यात्रा में कई पड़ाव जिन्हें भूल नहीं सकता हूं। मन की बात के श्रोता ही इस कार्यक्रम के सूत्रधार हैं। इनके योगदान को भूल नहीं सकता। पीएम मोदी ने कहा कि एक ऐसी धारणा बन गई है कि जब तक चटपटी बात न हो, नकारात्मक बात न हो, स्वीकृति नहीं मिलती। लेकिन मन की बात ने इस धारणा को बदल दिया है। पीएम मोदी ने कहाकि 'मन की बात' की हमारी इस यात्रा को 10 साल पूरे हो रहे हैं। 10 साल पहले 'मन की बात' का प्रारंभ 3 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन हुआ था और ये कितना पवित्र संयोग है, कि इस साल 3 अक्टूबर को जब 'मन की बात' के 10 वर्ष पूरे होंगे, तब नवरात्रि का पहला दिन होगा। 'मन की बात' की ये पूरी प्रक्रिया मेरे लिए ऐसी है, जैसे मंदिर जा करके ईश्वर के दर्शन करना। 'मन की बात' की हर बात को, हर घटना को, हर चिट्ठी को मैं याद करता हूं, तो ऐसे लगता है जैसे मैं ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के दर्शन कर रहा हूं। पीएम मोदी ने इस दौरान चकोर पक्षी का उदाहरण दिया, जो सिर्फ वर्षा की बूंद ही पीता है। इसी तरह देश के लोग चकोर पक्षी की तरह देश की प्रगति की बातें ही सुनते हैं। दस साल की यह यात्रा शानदार रही है। उन्होंने कहाकि मन की बात के लिए आई चिट्ठियों को पढ़कर दिल प्रसन्न हो जाता है। सकारात्मक काम कर रहे लोगों की बातें सुनकर प्रेरणा से भर जाता हूँ। प्रधानमंत्री ने मन की बात में यूपी के झांसी में पानी बचाने का खास प्रयास की तारीफ की। उन्होंने कहाकि यहां कुछ महिला दुलारी नदी को नया जीवन दिया। जल सहेली बनकर इस अभियान को चलाया। मृतप्राय नदी को बचाया है। बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका। इन महिलाओं ने सैकड़ों जलाशयों को तैयार किया।

गनप्वाइंट पर आईएएस की पत्नी से रेप

जांच में खामियां मिलने पर हाईकोर्ट की पुलिस को फटकार, दिया ये आदेश

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए खतरनाक बन चुका है। आरजी कर मेडिकल एंड हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर की बलात्कार और हत्या के मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच अब एक आईएएस अधिकारी की पत्नी से रेप के मामले में पुलिस की आलोचना हो रही है। कोर्ट में सवाल उठा कि रेप की शिकायत दर्ज होने के बाद भी मेडिकल जांच क्यों नहीं हुई। बीते जुलाई में उस घटना में निचली अदालत के आदेश पर आरोपी जमानत पर था। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत आदेश रद्द कर दिया। इसके साथ ही जांच अधिकारी का भी तबादला कर दिया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के बाहर तैनात एक सिविल सेवक की पत्नी के साथ कथित बलात्कार के मामले की जांच एक डिप्टी कमिश्नर स्तर के अधिकारी को सौंपने का आदेश जारी किया है। आपको बता दें कि इस साल 14 और 15 जुलाई की रात यह घटना घटी। आरोपी ने रात 11:30 बजे पीड़िता के घर में घुसा और बंदूक की नोक पर पीड़िता के साथ बलात्कार किया। घटना के दूसरे दिन पीड़िता ने कोलकाता के लेक पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत दर्ज करने से पहले उसे घंटों इंतजार करवाया गया। पुलिस ने अपराध की गंभीर प्रकृति के बावजूद कम गंभीर वाली धाराएं लगाई। इसके साथ केस को कमजोर कर दिया। राज्य से बाहर कार्यरत आईएएस अधिकारी की पीड़िता पत्नी ने आरोप लगाया था कि यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के बावजूद शुरुआत में मामूली आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत पर उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस राजर्षि भारद्वाज ने कहा कि शुरुआत में एफआईआर सही तरीके से दर्ज न करने और चार्जशीट को विकृत करने के आरोप इस जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत और अग्रिम जमानत खारिज कर दी। इस मामले को कोलकाता पुलिस के उपायुक्त स्तर की एक महिला पुलिस अधिकारी को सौंपने का आदेश दिया है।

प्रियंका गांधी के हेलीकॉप्टर को लैंड करने से रोका गया ', जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर कांग्रेस का आरोप

कठुआ/एजेंसी

कांग्रेस ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने प्रियंका गांधी के हेलीकॉप्टर को कठुआ जिले के बिलावर निर्वाचन क्षेत्र में लैंड करने में मदद नहीं की और उनके प्रचार को बाधित करने की कोशिश की है। दरअसल, प्रियंका गांधी को जम्मू क्षेत्र के बिलावर और बिश्नाह निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करना था, लेकिन उनका हेलीकॉप्टर वहां लैंड नहीं कर सका। इससे वह पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री डॉ. मनोहर लाल के लिए समर्थन मांगने में असमर्थ रहीं। वहीं, बिश्नाह में रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने इस क्षेत्र को संकट में धकेल दिया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस कश्मीरियों की गरिमा और सम्मान को बहाल करेगी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने और 150 साल पुरानी 'दरबार मूव' प्रथा को फिर से शुरू करने का वादा किया। प्रियंका ने कहा, 'मैं यह देखकर दुखी हूं कि भाजपा ने जम्मू और कश्मीर को अपने लाभ के लिए एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया और देश के अन्य हिस्सों में भावनाओं को भड़काया। भाजपा सरकार ने आपके राज्य का दर्जा, भूमि और नौकरी के अधिकार छीन लिए। प्रियंका गांधी ने इस दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर भी गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा, 'उपराज्यपाल एक तानाशाह की तरह शासन कर रहे हैं, जम्मू और कश्मीर को बिना कि सी जवाबदेही के लूट रहे हैं और बड़े कॉर्पोरेट घरानों को मदद कर रहे हैं। बाहर के लोग यहां संसाधनों का दोहन कर रहे हैं, और आपके युवा रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधी जी के सत्य और अहिंसा

खलील कुरैशी
संपादक दैनिक चमकता राजस्थान

राष्ट्रपिता के रूप में पूजे जाने वाले,बापू के नाम से भी जाने जाने वाले मोहनदास करमचंद गांधी एक विख्यात वकील,एक सामाजिक कार्यकर्ता,एक लेखक,भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के एक नेता और भारतीय इतिहास में एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे।पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी उच्च शिक्षा प्राप्त करने और वकील के रूप में काम करने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए थे। उन्होंने नस्लीय भेदभाव के खिलाफ़ आवाज़ उठाई और अपने राजनीतिक विचारों, नैतिकता और नेतृत्व को विकसित किया। गांधी जी1915 में भारत आए और सत्य की अपराजेयता पर ज़ोर देते हुए कई सत्याग्रह आयोजित किए। उन्होंने असहयोग आंदोलन,सविनय अवज्ञा आंदोलन और अंत में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया, जिसके बाद भारत को स्वतंत्रता मिली।गाँधी जी द्वारा मौलिक रूप से लिखित पुस्तकें चार हैं-- हिंद स्वराज,दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास, सत्य के प्रयोग (आत्मकथा), तथा गीता पदार्थ कोश सहित संपूर्ण गीता की टीका। गाँधी जी आमतौर पर गुजराती में लिखते थे, परन्तु अपनी किताबों का हिन्दी और अंग्रेजी में भी अनुवाद करते या करवाते थे।गांधी के विचारों को संक्षेप में प्रस्तुत करना काफी कठिन काम है। दुनिया भर के विद्वानों ने महात्मा गांधी के जीवन और उनके विभिन्न विचारों का अध्ययन करने में अपना जीवन बिताया है। सत्य और अहिंसा पर उनके कुछ विचारों का उल्लेख जो 2024 में भी प्रासंगिक हैं।

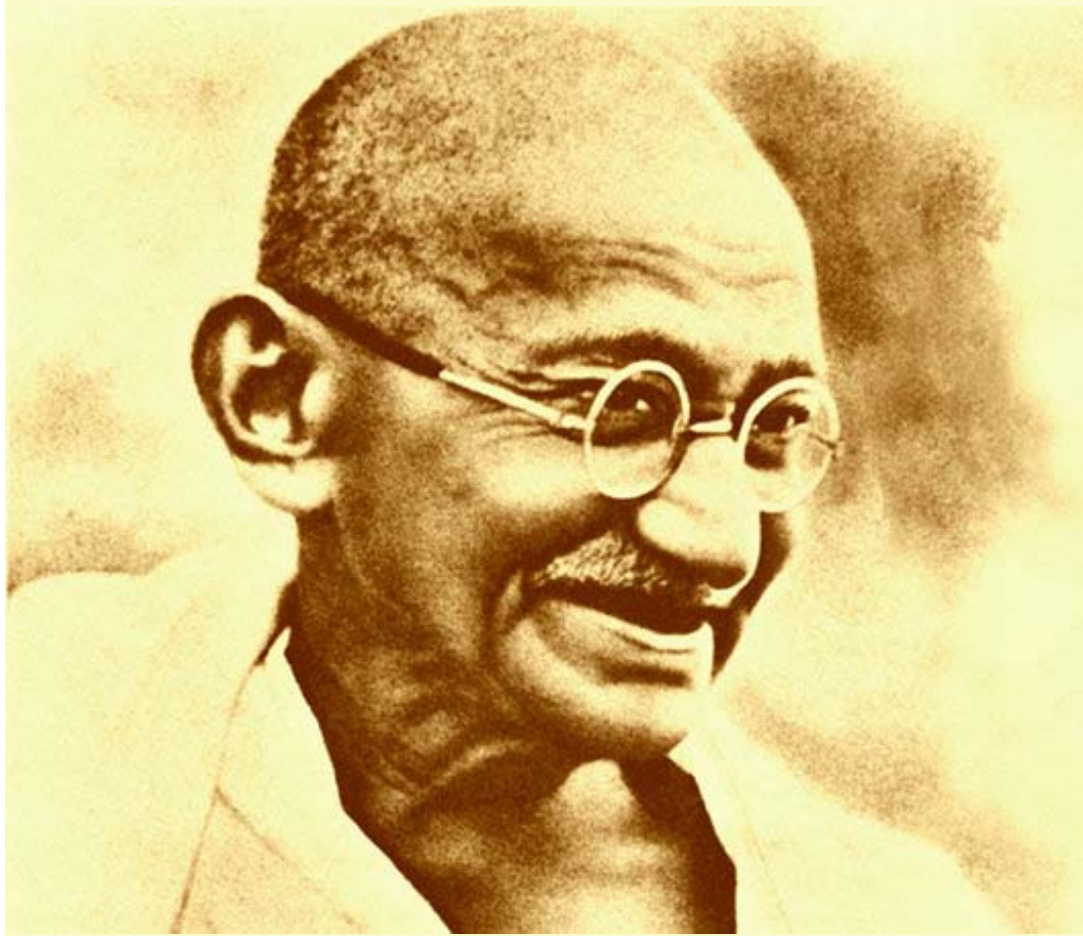

गांधी, सत्य और सत्याग्रहः

सत्य का विचार ही वह सिद्धांत है जिस पर महात्मा ने अपनी कार्यप्रणाली को बल दिया जिसे उन्होंने ₹सत्याग्रह₹ कहा,जहाँ उन्होंने सत्य की खोज की आवश्यकता पर बल दिया। गांधी के लिए,वास्तविकता में सत्य के अलावा कुछ भी मौजूद नहीं है। जो सत्य है उसके प्रति समर्पण ही किसी व्यक्ति के अस्तित्व का एकमात्र औचित्य है।सत्य की सामान्य समझ केवल यही संकेत देती है कि व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। हालाँकि,गांधी जी के लिए सत्य शब्द का व्यापक अर्थ है। सत्य को केवल अपने भाषण में ही नहीं बल्कि विचार और कर्म में भी देखा जाना चाहिए।महात्मा गांधी के सत्याग्रह के विचार में, जहां 'सत्य' का अर्थ सत्य और 'आग्रह' का अर्थ आग्रह है,सत्य के मार्ग पर चलने का तात्पर्य है। यह सत्य का प्रदर्शन है जो प्रतिशोध नहीं चाहता बल्कि पीड़क की अंतरात्मा से अपील करता है कि वह देखे कि सत्य क्या है। सत्याग्रह प्रतिरोध है, लेकिन इसे निष्क्रियता के बराबर नहीं माना जा सकता। यह कमज़ोरों का हथियार नहीं है।यह एक ऐसी शक्ति है।जो केवल मज़बूत लोगों के पास होती है,क्योंकि इसके लिए तीव्र गतिविधि की आवश्यकता होती है। इसका न तो कोई घृणा है और न ही विनाश। यह बुराई और बुराई करने वालों के बीच अंतर को पहचानता है। यह एक महत्वपूर्ण अंतर है जिसे सत्याग्रह पहचानता है। यह समझता है कि उत्पीड़क दुश्मन नहीं है, बल्कि केवल सत्य से दूर है। और उसे सत्य जानने के लिए राजी किया जा सकता है मजबूर नहीं किया जा सकता है।

गांधीजी और अहिंसाः

अहिंसा का अर्थ है ₹मारने की इच्छा का अभाव₹ अर्थात हिंसा ना करना,इसका अर्थ है स्वयं, दूसरों और सभी जीवित प्राणियों के प्रति हानिरहित होना। लेकिन यह अहिंसा उनके अभिप्राय की केवल एक सीमित परिभाषा है। गांधी ने बचपन में हिंदू धर्म और जैन धर्म की समझ हासिल की और शायद यही वह महत्वपूर्ण प्रभाव था जिसने उन्हें अहिंसा की वकालत करने की अनुमति दी। अहिंसा में उनका विश्वास तब प्रदर्शित हुआ जब उन्होंने गोरखपुर के चौरी चौरा में एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन के हिंसक संघर्ष में बदल जाने के बाद असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला किया।उनके लिए, हिंसा के लिए कोई जगह नहीं थी। उन्होंने सत्याग्रह के अपने विचार में अहिंसा की वकालत की,जो जन-आंदोलन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक विधि है।जबकि सत्य उनके दर्शन का आधार था, अहिंसा वह मार्गदर्शक नियम था जिसका पालन प्रत्येक सत्याग्रही को करना चाहिए।

अहिंसा के दो अलग-अलग अर्थ हैं। संकीर्ण अर्थ में, इसका अर्थ है शरीर या मन से दूसरों या खुद को नुकसान न पहुँचाना। सकारात्मक और व्यापक अर्थ में, इसका अर्थ है असीम प्रेम और दान। वे कहते हैं,₹अपने नकारात्मक रूप में, अहिंसाका अर्थ है किसी भी जीवित प्राणी को शरीर या मन से चोट न पहुँचाना। इसलिए, मैं किसी भी गलत काम करने वाले व्यक्ति को चोट नहीं पहुँचा सकता या उसके प्रति कोई दुर्भावना नहीं रख सकता और इस तरह उसे मानसिक पीड़ा नहीं पहुँचा सकता। अपने सकारात्मक रूप में,अहिंसा का अर्थ है सबसे बड़ा प्रेम, सबसे बड़ा दान। अगर मैं अहिंसा का अनुयायी हूँ,तो मुझे अपने दुश्मन या अजनबी से वैसा ही प्यार करना चाहिए जैसा मैं अपने गलत काम करने वाले पिता या बेटे से करता हूँ। इस सक्रिय अहिंसा में सत्य और निर्भयता अनिवार्य रूप से शामिल है।

गांधीवादी विचार और वर्तमान पीढ़ीः

अहिंसा और सत्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। वे एक दूसरे से इस कदर जुड़े हुए हैं कि उन्हें अलग करना संभव नहीं है। अगर अहिंसा साधन है,तो सत्य साध्य है।अहिंसा ही सत्य की खोज का आधार बनती है। सत्य का लक्ष्य गलत करने वाले को शर्मिंदा करना नहीं है,बल्कि हृदय परिवर्तन लाना है और अहिंसा का उद्देश्य सिर्फ़ दूसरों को चोट न पहुँचाना ही नहीं है, बल्कि दूसरों के प्रति असीम प्रेम भी है। जैसा कि गांधी कहते हैं, ₹सत्य और अहिंसा के संयोजन से आप दुनिया को अपने पैरों पर खड़ा कर सकते हैं₹।आज की पीढ़ी आजादी से पहले के दौर से नहीं गुजरी है। हम अपने स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं के नाम और उनके विचारों से परिचित हो सकते हैं, लेकिन हम यह नहीं जानते कि उनके विचारों ने जनता को कितनी तीव्रता से प्रेरित किया। गांधी के सत्य और अहिंसा ने जनता को आकर्षित किया और आम लोगों को और अधिक महत्वपूर्ण रूप से संगठित होने का मौका दिया।उन्होंने सही ढंग से पहचाना कि अगर आज़ादी हासिल करनी है, तो यह भारत के आम लोगों के समर्थन के बिना नहीं आ सकती। सत्य यानी सत्य और अहिंसा यानी अहिंसा, दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। धार्मिक मान्यताओं से प्रेरित होकर, उन्होंने सफलतापूर्वक दोनों सिद्धांतों को नागरिक समझ में परिवर्तित किया और लोगों को एक साथ बांधा।निस्संदेह,इन विचारों की वैश्विक अपील है और यह सही भी है। एक ऐसी दुनिया में जो हिंसा और युद्ध,अशांति और वाली घटनाओं को समाचार पत्रों में सामान्य लेखों के रूप में देखने की आदी हो गई है,हमारे लिए उन विचारों की ओर लौटना महत्वपूर्ण है जिन्हें अक्सर आदर्शवादी माना जाता है।इस दुनिया के कैनवास को रक्तपात और अंधकार से शांति, सहयोग और सद्भाव की गर्मजोशी में बदलने का प्रयास करें। हम गांधी की ओर लौटकर,गांधीवादी विचारों को समझकर और उन विचारों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करके इस यात्रा की शुरुआत कर सकते है।लोग आम तौर पर सोचते हैं कि हमें बहुसंख्यक मानव जाति की खुशी को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए,विशेष रूप से, वे अधिक संख्या के अधिक से अधिक अच्छे' की बात करते हैं। इसके अलावा खुशी को शारीरिक खुशी और आर्थिक समृद्धि के बराबर माना जाता है। गांधी का दृढ़ विश्वास था कि इस तरह का प्रयास नैतिकता के नियम को तोड़ता है। जब किसी को अपने कर्तव्य या कार्य के बारे में संदेह होता है, तो गांधी एक समाधान प्रदान करते हैं: ₹मैं तुम्हें एक ताबीज दूंगा। जब भी तुम्हें संदेह हो या जब अहंकार तुम्हारे साथ बहुत अधिक हो जाए, तो निम्नलिखित परीक्षण लागू करें। सबसे गरीब और सबसे कमजोर आदमी का चेहरा याद करो जिसे तुमने देखा हो,और खुद से पूछो कि क्या तुम जो कदम उठाने पर विचार कर रहे हो, वह उसके किसी काम का होगा। क्या उसे इससे कुछ हासिल होगा? क्या यह उसे अपने जीवन और भाग्य पर नियंत्रण वापस दिलाएगा? दूसरे शब्दों में, क्या यह भूखे और आध्यात्मिक रूप से भूखे लाखों लोगों के लिए स्वराज की ओर ले जाएगा? तब तुम पाओगे कि तुम्हारे संदेह और तुम्हारा अहंकार पिघल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने निकाली ऑनलाइन लॉटरी

- **527 सफल आवेदक हवाई जहाज से तो वहीं, 2 हजार 637 रेल से करेंगे तीर्थ यात्रा**

चमकता राजस्थान। जयपुर,(खलील कुरैशी) 30 सितंबर। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2024 के तहत जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिले के 3 हजार 164 वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा की सौगात मिलेगी। सोमवार को सचिवालय में जिले के प्रभारी मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने सफल आवेदकों की ऑनलाइन लॉटरी निकाली। प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2024 के तहत राजस्थान सरकार प्रदेश के 36 हजार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा की सौगात दे रही। योजना के तहत जयपुर जिले के 1 हजार 594 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। जिसमें 266 यात्री हवाई जहाज से तो वहीं 1 हजार 328 यात्री रेल मार्ग से तीर्थ यात्रा योजना से लाभांवित होंगे।इस प्रकार जयपुर ग्रामीण जिले के कुल 1 हजार 406 सफल आवेदक निःशुल्क तीर्थ यात्रा योजना से लाभांवित होंगे जिनमें से 234 यात्री हवाई यात्रा से तो वहीं 1 हजार 172 वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा से तीर्थ यात्रा करेंगे। दूदू जिले के कुल 163 सफल आवेदक निःशुल्क तीर्थ यात्रा के लिए चयनित किये गए हैं। इनमें से 27 सफल आवेदक हवाई जहाज तो वहीं, 137 यात्री रेल द्वारा निःशुल्क तीर्थ यात्रा योजना से लाभांवित किये जाएंगे।उन्होंने बताया कि हवाई यात्रा से चयनित सफल आवेदकों को काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ और रेल मार्ग द्वारा रामेश्वरम-मदुरई, जगन्नाथ पुरी, तिरुपति, द्वारकापुरी-सोमनाथ, वैष्णो देवी-अमृतसर, प्रयागराज-वाराणसी, मथुरा-वृंदावन-बरसाना, सम्मेदशिखर-पावापुरी-बैद्यनाथ, उज्जैन-ओंकारेश्वर- त्रयम्बकेश्वर, गंगासागर (कोलकाता), कामाख्या (गुवाहाटी), हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या, मथुरा-अयोध्या, बिहारशरीफ, वेलकानी चर्च (तमिलनाडु) तीर्थ यात्रा से लाभान्वित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि 70 साल से अधिक उम्र के तीर्थ यात्रा अपने साथ एक अटेंडेंट ले जा सकते हैं. जोड़े से तीर्थ यात्रा पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों में से एक की उम्र 60 साल या अधिक है और दूसरे की उम्र 58 है तो भी एक साथ यात्रा पर जा सकते हैं. ट्रेन और हवाई जहाज में यात्रियों के साथ चिकित्सा स्टाफ, सुरक्षा स्टाफ और सरकारी कर्मचारी भी जाएंगे.इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, जिला परिषद सीईओ प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार सहित देवस्थान विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने की मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा

विभागीय कार्मिकों को हाई अलर्ट मोड पर रहने के आवश्यक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 30 सितंबर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विगत कुछ दिन से मौसमी बीमारियों के केस में वृद्धि को देखते हुए चिकित्सा विभाग हाई अलर्ट मोड पर रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सभी अधिकारी एवं कार्मिक कार्य स्थल पर उपस्थित रहते हुए रोगियों को तत्काल जांच एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराएं। मौसमी बीमारियों के प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो। खींवसर सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार आगामी करीब एक माह मौसमी बीमारियों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है, इसे ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए

जाएं।चिकित्सा मंत्री ने कहा कि जिन जिलों में मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा सामने आ रहे हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए। अधिकारी इन जिलों में लगातार निगरानी रखते हुए सघन रोकथाम गतिविधियां संचालित करवाएं। एंटीलार्वल, सोर्स रिडक्शन एवं फॉगिंग सहित अन्य गतिविधियां नियमित रूप से हों। इसके लिए नगरीय निकाय सहित संबंधित विभागों के साथ समुचित समन्वय स्थापित किया जाए। चिकित्सा मंत्री ने अस्पतालों में जांच किट्स एवं दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा हैं, वहां डेडीकेटेड ओपीडी संचालित करने के साथ ही रोगियों के लिए बेड की समुचित उपलब्धता रखी जाए। आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। किसी रोगी को उपचार में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। खींवसर ने जिलावार मौसमी बीमारियों के केसों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राज्य स्तर के साथ साथ संभाग एवं जिला स्तर पर नियमित मीटरिंग की जाए। अस्पतालों के औचक निरीक्षण किए जाएं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी जिलों में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर आई ई सी गतिविधियां की जाएं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोगी घरेलू नुस्खे अपनाते हैं और स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचते हैं। इसके चलते कई बार रोगी का जीवन बचा पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति से बचने के लिए आमजन को डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया आदि के लक्षण, जांच एवं उपचार के बारे में जानकारी दी जाए और समय पर उपचार के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रभावी प्रबंधन के कारण प्रदेश में अब तक मौसमी बीमारियों की स्थिति नियंत्रण में रही है। केस विगत वर्ष के मुकाबले कम होने के साथ ही मौसमी बीमारियों से मृत्यु के मामले नगण्य हैं। सभी जिलों में जांच एवं उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

ये अधिकारीगण रहे मौजूद

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण डॉ प्रवीण असवाल, मेडिकल कालेजों के प्रधानाचार्य, अधीक्षक, संयुक्त निदेशक जोन, सीएमएचओ, पीएमओ, बीसीएमओ, सीएचसी प्रभारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नसरल्लाह की मौत पर लखनऊ में शोक, आधी रात सड़कों पर उतरे हजारों लोग

लखनऊ/एजेंसी।

हिज़बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत की खबर के बाद लखनऊ में शिया समुदाय के बीच गहरा शोक छा गया। खबर फैलते ही आधी रात को करीब दस हजार से अधिक लोग सड×कों पर उतर आए और मातम मनाया। शिया धर्मगुरुओं ने नसरल्लाह की मौत पर तीन दिन के शोक की घोषणा की है।

लखनऊ के पुराने शहर में हजारों लोग रात के समय इक्ा हुए और मातमी जुलूस निकाला। हाथों में

काले झंडे और बैनर लिए लोग नसरल्लाह को श्रद्धांजलि अर्पित करते नजर आए। इस दौरान धार्मिक नारों के साथ-साथ शांति की अपील की गई।

बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को टाला जा सके। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।यह घटना नसरल्लाह की मृत्यु के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे भावनात्मक माहौल का एक उदाहरण है, जिसने लखनऊ जैसे शहरों को भी प्रभावित किया है।

आपको बता दे की लेबनानी आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने शनिवार को अपने नेता हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि कर दी है। इससे पहले इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दावा किया था कि उन्होंने हिजबुल्लाह चीफ को मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक शुक्रवार देर रात बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय इलाके दहिह में हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर किए गए हमले में नसरल्लाह मारा गया।

हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को बेरूत पर इजरायली हमले में अपने नेता सैयद हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की।'नसरल्लाह, 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद, हिजबुल्लाह की स्थापना के समय से ही इसके साथ जुड़ा हुआ था। 1992 में उसने संगठन के नेता के रूप में कार्यभार संभाला था।

नसरल्लाह का हिजबुल्लाह पर पूरा नियंत्रण था। वह संगठन का महासचिव होने के साथ ही शूरा परिषद का प्रमुख था। शूरा परिषद हिजबुल्लाह के धार्मिक, सैन्य, रणनीतिक मामलों के लिए फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था है।

नसरल्लाह का मारा जाना हिजबुल्ला के लिए सबसे बड़ी चोट है। उसके नेतृत्व में जहां हिजबुल्लाह ने अपनी सैन्य क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया, वहीं ईरान के साथ मजबूत गठबंधन बनाए रखा।

स्टाइलिश लुक देने में मदद करेंगे चिकनकारी वर्क वाली कुर्ती स्टाइल सलवार-सूट

किसी पार्टी में जाना हो या ऑफिस में पहनना हो। सलवार-कमीज के डिजाइंस में आपको कई तरह की वेरायटी देखने को मिल जाएगी। वहीं डिजाइन और फैब्रिक के लिए मौसम को समझना भी काफी जरूरी होता है। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और इस मौसम में त्वचा को ठंडक देने वाले डिजाइन और रंगों का चुनाव करना चाहिए। डिजाइन की बात करें तो चिकनकारी वर्क को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं चिकनकारी वर्क वाले सलवार-सूट के खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन सलवार-सूट को स्टाइल करने के आसान टिप्स-

फॉक स्टाइल सलवार-सूट

शॉर्ट कुर्ती में आजकल फॉक या पेप्लम स्टाइल कुर्ती सूट को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इस तरीके के सूट के साथ में आप चिकनकारी वर्क वाले शरारा को स्टाइल कर सकते हैं। सूट के साथ में आप चाहे तो दुपट्टे को स्किप भी कर सकती हैं। इस तरीके का सूट आपको मार्केट में रेडीमेड 1,000 रुपये में मिल जाएगा।

कलीदार सलवार-सूट

कलीदार सूट एवरग्रीन फैशन में रहता है। इस तरह के लॉन्ग फ्लोर लेंथ कलीदार कुर्ती स्टाइल आपको मार्केट में लगभग 1500 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। इसमें आपको फुल स्लीव्स के आलावा स्कूप नेक डिजाइन में भी कई तरह के वर्क वाले सूट देखने को मिल जाएंगे। आप चाहे तो इस तरह के सूट के साथ में लॉन्ग स्कर्ट को भी पहन सकती हैं।

ऑम्ब्रे डिजाइन सलवार-सूट

आजकल ऑम्ब्रे शेड फैशन ट्रेंड में काफी ज्यादा नजर आ रहा है। इसमें आपको कई कलर्स देखने को मिल जाएंगे। चिकनकारी वर्क में आपको इस तरह में लूज डिजाइन के कुर्ती स्टाइल सूट में काफी सारी वेरायटी देखने को मिल जाएगी। इस तरह का सूट आपको फैब्रिक खरीदकर खुद सिलवाना पड़ेगा। वहीं इस तरह के लुक के साथ में आप पर्ल डिजाइन की ज्वेलरी को स्टाइल करें।

2 से 5 साल के बच्चों को डिसिप्लिन सिखाने का ये है बेस्ट तरीका

दुनिया तेजी से बदल रही है। इसी के साथ माता-पिता के सामने कई चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती है, बच्चों को अनुशासित बनाने की। हर माता-पिता के मन में यह प्रश्न रहता है कि बच्चे को अनुशासन कैसे सिखाया जाए? हाल के दिनों में जिस तरह से बच्चों में अनुशासनहीनता की घटनाएं बढ़ी हैं, उसे देखते हुए यह चिंता जायज भी लगती है। बच्चों को अनुशासित बनाने का प्रयास जितनी जल्दी प्रारंभ कर दिया जाए, उतना सही परिणाम मिल सकता है। दो से पांच साल तक की उम्र बच्चों के व्यवहार को निर्धारित करने में बड़ी भूमिका निभाती है।

कहने की नहीं, करने की है जरूरत बच्चे शब्दों से ज्यादा क्रियाओं पर ध्यान देते हैं। इसलिए, उन्हें अनुशासित बनाने की पहली शर्त है- आपका स्वयं अनुशासित होना। अगर आप बातचीत में अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो बच्चे को यह सिखाना व्यर्थ है कि उसे अच्छा बोलना चाहिए। बच्चे को यह बताने का प्रयास मत कीजिए कि उसे क्या नहीं करना है। बल्कि, उसके समक्ष इस बात का उदाहरण दीजिए कि उसे क्या करना है। आपका संतुलित व्यवहार उसे स्वयं ही आप जैसा बनने के लिए प्रेरित करेगा। बच्चे को चिल्लाकर चुप रहने की सीख नहीं दी जा सकती है।

तर्क के साथ रखें पक्ष

बच्चों को व्यवहार से जुड़ी कोई सीख देते समय उनके मन में उठने वाले प्रश्नों पर ध्यान दें। यदि वह पलटकर कोई प्रश्न करे, तो आपको उसका तार्किक समाधान देना चाहिए। इससे बच्चा आपकी कही हर बात को आत्मसात कर पाता है। जैसे ही आप उसके प्रश्नों पर उसे डांटकर चुप कराने और बस आपका निर्देश पालन करने के लिए कहते हैं, वह उन बातों को न अपनाने के लिए प्रेरित होता है।

पहली गलती पर ही रोकें

बच्चों के व्यवहार में सबसे बड़ी भूमिका माता-पिता की होती है। कई बार छोटे बच्चे की किसी गलती को माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य ही हंसकर टाल देते हैं। कई बार बच्चे की तोतली आवाज में अपशब्द सुनकर सभी को हंसी आ जाती है।
कई बार जिद में जब बच्चा किसी बड़े पर हाथ उठाता है, तब भी यह कहकर टाल दिया जाता है कि बच्चा है, सीख जाएगा। यह गलत है। बच्चे की किसी भी ऐसी बात का समर्थन मत कीजिए, जो आप चाहते हैं कि उसकी आदत का हिस्सा न बने।
पहली ही गलती पर उसे रोकें। इसके लिए गुस्सा करने या डांटने की जरूरत नहीं है, लेकिन धीमी आवाज में दृढ़ता से उसे यह अवश्य बताएं कि यह काम सही नहीं है। इससे बच्चा उस गलती को दोहराने से बचता है।

इच्छा और जिद का अंतर समझें

कई बार माता-पिता अपने बच्चे की हर इच्छा पूरी करने के प्रयास में उसे जिद्दी बना देते हैं। ऐसा न करें। आपको इच्छा और जिद के बीच के अंतर को समझना होगा। बच्चे को यह समझ में आना चाहिए कि उसकी कही हर बात या उसकी हर मांग पूरी नहीं की जा सकती है। उसकी इच्छाएं जिद में न बदले, इसका प्रयास करना जरूरी है।

अच्छे की प्रशंसा करें

बच्चों को गलती करने पर टोकना जितना जरूरी है, अच्छा करने पर प्रशंसा भी उतनी ही जरूरी है। बच्चे को अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें और जब वह कुछ अच्छा करे, तो उसकी प्रशंसा करके उत्साह भी बढ़ाएं। इससे बच्चे को सही और गलत के बीच अंतर समझने में आसानी होती है। वह अपने कार्यों में इस अंतर को समझ पाता है कि क्या करने पर उसे टोका जा रहा है और क्या करने पर प्रशंसा मिल रही है।

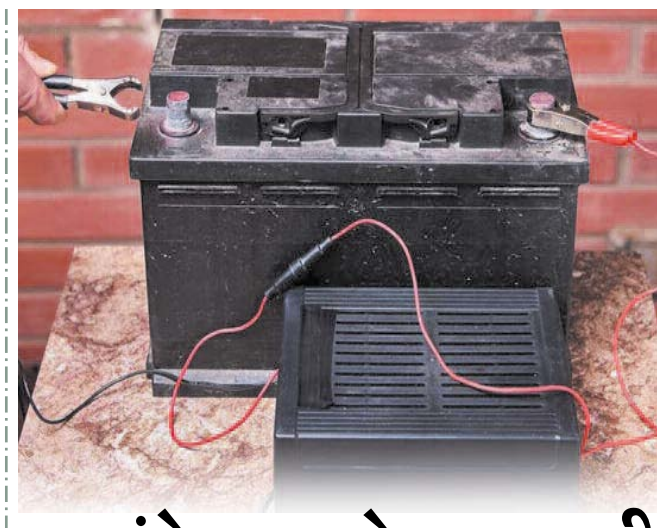

लंबे समय से खराब पड़ी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इन कामों में करें इस्तेमाल

अगर आप बैटरी को खोलते हैं या उसे किसी इक्विपमेंट में इस्तेमाल करते हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। इसके साथ ही यहां कुछ काम दिए गए हैं, जिनमें आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग कर सकते हैं।

पुरानी इन्वर्टर बैटरी को खराब होने के बावजूद भी कई कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां कुछ ऐसे कामों की लिस्ट है, जिनमें आप इस बैटरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस बात का ध्यान दें कि इन्वर्टर बैटरी में जहरीले रसायन होते हैं। इनका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और सिक्योरिटी इक्विपमेंट पहनें। अगर आप बैटरी को खोलते हैं या उसे किसी इक्विपमेंट में इस्तेमाल करते हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। अगर आप अनिश्चित हैं कि क्या करना है, तो कृपया टेक्निशियन से सलाह ले सकते हैं। इसके साथ ही यहां कुछ काम दिए गए हैं, जिनमें आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग कर सकते हैं।

ऑफ-ग्रिड बिजली

अगर आपके पास बिजली की आपूर्ति नहीं है, तो आप पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल सौर पैनलों के साथ ऑफ-ग्रिड बिजली प्रोसेस बनाने के लिए कर सकते हैं। यह आपके घर या कारोबार को बिजली प्रदान करने में मदद कर सकता है, भले ही आपके पास ग्रिड से कनेक्शन न हो। बैटरी को ऑफ ग्रिड लाइटिंग प्रणाली के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे कि लैंटर्स या फ्लैशलाइट्स।

बैकअप पावर

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल बिजली कटौती के दौरान बैकअप पावर स्रोत के तौर पर कर सकते हैं। यह आपके कंप्यूटर, इक्विपमेंट को चालू रखने में मदद कर सकता है।

पोर्टेबल पावर

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल पोर्टेबल पावर स्रोत बनाने के लिए कर सकते हैं। यह आपके कैंपिंग, टेलगेटिंग या अन्य बाहरी गतिविधियों के लिए उपयोगी हो सकता है।

DIY परियोजनाएं

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का उपयोग विभिन्न DIY परियोजनाओं के लिए कर सकते हैं, जैसे कि सौर चार्जर, इलेक्ट्रिक गो-कार्ट या आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था बनाना।

स्टोरेज

आप अपनी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल अन्य वस्तुओं को स्टोर करने के लिए कर सकते हैं, जैसे कि इक्विपमेंट , खिलौने या मौसमी सजावट। यह ध्यान रखना जरूरी है कि पुरानी इन्वर्टर बैटरी की क्षमता कम हो जाती है।

साइकिल या ऑटोमोबाइल बैटरी

इसे साइकिल या ऑटोमोबाइल की बैटरी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कि इसे एक उपयोगी विधिमान के रूप में दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सके। इन सबके अलावा लंबे समय से खराब पड़ी पुरानी इन्वर्टर बैटरी का इस्तेमाल टेबलटॉप प्लांटर्स, वॉल हैंगिंग, साइड टेबल, कुर्सियां, गार्डन ऑर्नामेंट्स, लाइटिंग फीचर्स, लैंप बेस, फेयरी लाइट्स, स्कल्पचर, छोटे आइटम्स के लिए बॉक्सस, टूल होल्डर, थीम्ड डेकोरेशन, इंडस्ट्रियल थीम, रस्टिक थीम, पेंटिंग और सफाई के कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। ये नई बैटरी की तरह लंबे समय तक नहीं चल सकती हैं। इनका इस्तेमाल करने से पहले उनकी क्षमता का परीक्षण करना सुनिश्चित करें। पुरानी इन्वर्टर बैटरी का निपटान करते समय, यह सुनिश्चित करें कि आप इसे रीसायकल करें या इसे जिम्मेदारी से हटा दें। इन्वर्टर बैटरी में सीसा और अन्य खतरनाक सामग्री होती है। इन्हें पर्यावरण में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

कबाड़ इन्वर्टर बैटरी बेचकर मुनाफा कमाना

पुरानी इन्वर्टर बैटरी को बेचकर आप एक अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अगर आप प्रति किलो 70 से 80 रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं, तो 50 किलो की बैटरी से 3500 से 4000 रुपये और 70 किलो की बैटरी से 4900 से 5600 रुपये कमा सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आप सभी जरूरी सावधानियों का पालन कर रहे हैं और बैटरियों को सही तरीके से निस्तारित कर रहे हैं।

गर्मी के मौसम में इन तरीके से करें घर का मेकओवर

वर्तमान समय में लोग अपने घर को त्योहार और मौसम के हिसाब डेकोरेट और सेट करना पसंद करते हैं। खासतौर से गर्मी के मौसम में घर को अलग तरीके से सेट करना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में घर से जल्दी बदबू आने लगती है।

इस मौसम में अगर आप अपने घर को सही तरीके से सेट करके रखेंगी, तो इस समस्या का सामना करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस लेख में आज हम आपको कुछ ऐसे मेकओवर आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप गर्मी के हिसाब से इसे डेकोरेट कर सकती है।

नेचुरल लुक पसंद करने वाले करें ये काम

अगर आपको नेचुरल लुक पसंद है तो फूल पत्तियों के प्रिंट वाले कॉटन कुशन, सोफा कवर और टेबल कवर बिछाएं। इसके अलावा कमरे को और आकर्षक बनाने के लिए दीवारों पर प्रिंटेड कॉटन कर्टन लगाएं।

कमरे में लगाएं सीजनल प्लांट्स

घर को प्राकृतिक लुक देने के लिए घर के अंदर और चारों ओर पत्तेदार पौधे लगाएं। इंडोर प्लांट्स घर के इंटीरियर लुक को बढ़ाने का काम करता है। प्लांट नेचुरल एयर फिल्टर की तरह काम करते हैं, जो घर की वायु को शुद्ध रखते हैं। फर्न्स और ऑर्किड्स जैसे प्लांट को आप बालकनी और घर में लगा सकती हैं।

सुगंधित मोमबत्ती का करें इस्तेमाल

अच्छी सुगंध हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करने का काम करती है। ऐसे में आप अपने कमरे व घर में सुगंधित मोमबत्ती का इस्तेमाल कर सकती हैं। गर्मी के मौसम में अगर आप कमरे में ताजगी और प्यारी सी सुगंध चाहते हैं, तो फ्रेग्रेंस कैंडल का यूज करें।

पर्दा और ब्लाइंड का करें यूज

गर्मी के मौसम में कमरे बहुत ज्यादा गर्म होने लगते हैं। इससे बचने के लिए आप पर्दे और ब्लाइंड का उपयोग कर सकते हैं। ये दोनों चीजें सूरज की किरणों को कमरे में आने से रोकती है, जिससे हवा की मदद से गर्म लू अंदर नहीं आती है।

इसके अलावा पर्दा लगाते समय उनके फैब्रिक का खास ध्यान दें।

मोटे कालीन का न करें इस्तेमाल

सर्दियों में हम सभी ठंड से बचने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते हैं। ये कालीन ठंड के साथ-साथ घर के लुक में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। अगर आप अभी भी इन कालीन को बिछा कर रखा हुआ है तो इन्हें बदल दें। इनकी जगह पतले और हल्के कालीन का उपयोग करें।

भाजपा के 10 साल के कुशासन से त्रस्त हरियाणा की जनता ने कांग्रेस सरकार लाने का पूरी तरह मन बना लिया है: अशोक गहलोत

चमकता राजस्थान

दिल्ली। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार करते हुए नारनौल, रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ में तीन जनसभाओं को संबोधित किया। गहलोत ने कहा कि जनता ने हरियाणा में कांग्रेस का 10 साल का सुशासन देखा और अब 10 साल भाजपा का कुशासन देखा है। जनता ने दोनों कार्यकालों का हिसाब लगाकर देख लिया है और अब भाजपा के कुशासन से त्रस्त होकर यहां कांग्रेस सरकार लाने का मन भी बना लिया है।

गहलोत ने कहा कि 2014 में भाजपा ने यहां कालाधन वापस लाने, 2 करोड़ रोजगार देने, किसानों की आय दोगुनी करने एवं सबके खाते में 15-15 लाख रुपए डालने जैसे वादे किए जिस पर जनता ने भरोसा कर लिया परन्तु एक भी वादा पूरा नहीं हुआ जिससे जनता का भरोसा पूरी तरह भाजपा से उठ चुका है। हरियाणा 6 साल से बेरोजगारी में नंबर 1 राज्य बना हुआ है। आज महंगाई से जनता की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है और घर चलाना तक मुश्किल हो गया है।

गहलोत ने कहा कि यहां मनोहर लाल खट्टर 9.5 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे परन्तु अब उन्हें चुनाव प्रचार तक से दूर रखा जा रहा है। यह भाजपा शासन की पोल खोलने के लिए काफी है कि जिन्होंने 9.5 साल तक सत्ता संभाली उन्हें पहले पद से हटाया गया और अब चुनाव प्रचार तक से दूर कर दिया गया है।

गहलोत ने कहा कि हरियाणा के किसान तीन काले कानूनों के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करते रहे परन्तु यहां की सरकार एवं भाजपा ने उनके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। किसानों ने इस चुनाव में भाजपा को वोट से जवाब देना तय किया है।

गहलोत ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं परन्तु यह सरकार ध्यान नहीं दे रही है। केन्द्र सरकार 4 साल आगे हो जाने के बावजूद भी सामान्य जनगणना तक नहीं करवा रही है। सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना से समाज का एक विश्वसनीय डाटा सामने आएगा जिसके आधार पर सरकारों को योजना बनाने में आसानी होगी।

गहलोत ने कहा कि यहां जो गारंटियां कांग्रेस पार्टी ने दी हैं उन्हें हमारी सरकार ने राजस्थान में पूरा किया और हर परिवार को 25 लाख का बीमा, 500 रु में गैस सिलेंडर, पुरानी पेंशन योजना और फ्री बिजली राजस्थान में दी गई थीं। अब हरियाणा में सरकार बनते ही इन योजनाओं को यहां भी लागू किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू बुखार रोकथाम हेतु सजग रहें आमजन: संयुक्त निदेशक

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। संयुक्त निदेशक जोन जयपुर (चिकित्सा) डॉ. नरोत्तम शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए डेंगू बुखार रोकथाम हेतु सजग और सतर्क रहने की अपील की है।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिए अपने घर के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें, जिससे मच्छरों की व्यत्पत्ति पर रोक लगाई जा सके। साथ ही घर के दरवाजे खिड़की बंद रखें, जिससे मच्छर अंदर ना आ सके। घर पर रखे कंटेनर, जिसमे पानी एकत्रित होता है उनको नियमित साफ करें। पूरी बांह के कपड़े पहने, जिससे मच्छर आपको न काट सके। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जागरुक रहकर ही डेंगू जैसी बीमारी से लड़ा जा सकता है। यदि फिर भी तबियत खराब हो और बुखार आ जाए तो तुरंत अपने नजदीकी सरकारी चिकित्सालय में जाएं एवं निशुल्क इलाज प्राप्त करें।

नीता अंबानी ने ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीटों का किया सम्मान

- 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' कार्यक्रम के तहत एंटीलिया में जुटे देश के खिलाड़ी

चमकता राजस्थान। मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने रविवार शाम को ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस खास अवसर पर लगभग 140 एथलीट, जो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में हिस्सा ले चुके हैं, नीता अंबानी के निमंत्रण पर मुंबई स्थित उनके आवास 'एंटीलिया' में एकत्र हुए।

इस आयोजन को 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' नाम दिया गया, जिसमें कई नामचीन कोच और खेल जगत से जुड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं। यह पहली बार था जब देश के ओलंपियन और पैरालिंपियन एक ही मंच पर साथ आए। समारोह में बोलते हुए नीता अंबानी ने कहा, ₹आज की शाम हमारे लिए बेहद खास है। पहली बार हमारे ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ी एक साथ एक मंच पर आए हैं। हमें उन पर गर्व है, और आज का यह आयोजन उनके प्रति हमारे सम्मान और प्रेम को दर्शाने का अवसर है।

दिया कुमारी ने की विद्याधर नगर के ख़ातीपुरा मंडल की जनसुनवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अपने जनसुनवाई कार्यक्रम की दूसरी कड़ी में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के खातीपुरा मंडल के लिए आयोजित जनसुनवाई की और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि विद्याधर नगर की जनप्रतिनिधि के तौर पर वे क्षेत्र को हर समस्या से मुक्त कर विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इससे पहले उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर मंडल के लिए जनसुनवाई का आयोजन किया था। दिया कुमारी विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के पाँचों मंडलों की कर्मवार जनसुनवाई कर रही हैं जिससे जनता से सीधा संवाद के माध्यम से जमसमस्याओ का समाधान किया जा सके।

इस अवसर जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर जी, खातीपुरा मंडल के पदाधिकारी गण, समस्त पार्षद एवं विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शैक्षणिक, मानवीय एवम सामाजिक मूल्यों पर जागरण अभियान

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) सरमथुरा उपखंड के सीनियर विद्यालय बिझौली में शैक्षणिक एवं नैतिक मूल्यों पर संबल हेतु एक प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी आदरणीय बनिया राम ने की कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक राजबीर मीना ने किया!विद्यालय की उत्तम व्यवस्था एवं शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए प्रिंसिपल रेखा शर्मा को वरिष्ठ नागरिकों की टीम द्वारा मेडल प्रदान करके सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर छात्र छात्राओं को मेडल पहनाकर उनकी मेहनत और उपलब्धियों को सराहा गया। टीम में शामिल पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बच्चू सिंह रावत ने समाज में प्रचलित नशे की प्रवृति पर तथा उसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। जगदीश प्रसाद रावत, गांव कांसोटी खेड़ा, ने शिक्षा एवं संस्कारों की जीवन में उपयोगिता एवं महत्व पर विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अपने विचार प्रकट किए। मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु महान विभूतियों के उदाहरणों सहित व्याख्या की। माता- पिता, गुरुजनों के विद्यार्थियों के जीवन में महत्व को रेखांकित किया। जीवन में महानता हांसिल करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और महानता प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों के साथ मंत्र साझा किए। मुख्य अतिथि बनिया राम ने विद्यार्थियों को जीवन में अच्छा करने के लिए प्रेरित किया! और आशीर्वाद दिया। अंत में, प्रिंसिपल रेखा शर्मा ने सभी को आभार व्यक्त किया और इस तरह कार्यक्रम की इतिश्री हुई। कार्यक्रम में वाइस प्रीसिपल चरण सिंह, रामनिवास मीना, वरिष्ठ अध्यापक, राजबीर, वरिष्ठ अध्यापक, मैडम सुशीला कश्यप, मैडम दीक्षा शर्मा, सर्व राहुल चौधरी, बीरबल, रविकांत बैनीवाल, रामभरोसी मीना, राधेश्याम मीना, राम हंस मीना, विजय सिंह, पूर्व छात्रा कुमारी अंकिता मीना एवं समस्त विद्यालय परिवार तथा गांव के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे! तथा सभी ने कार्यक्रम की भूरी - भूरी प्रशंसा की।

शराब के नशे में दिव्यांग युवक की हत्या का मामला, पुलिस ने मृतक के पिता को किया गिरफ्तार

- मृतक युवक के पिता पर आरोप- छोटे पुत्र की हत्या के मामलें में बडे पुत्र के साथ साक्ष्य मिटाने का किया प्रयास

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। क्षेत्र के गांव छतरपुर में आपसी कहासुनी होने पर हुए विवाद के दौरान शराब के नशे में मारपीट कर दिव्यांग युवक की हत्या करने के मामलें में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतक युवक के पिता रामसहाय सिंह पुत्र हीरालाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार पिता पर आरोप है कि, अपने छोटे पुत्र अजीत सिंह की हत्या के मामलें में बडे पुत्र विनोद सिंह का सहयोग करते हुए साक्ष्य मिटाते हुए गुपचुप तरीके से दाहसंस्कार करने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि 19 सितम्बर देर शाम शराब के नशे में गिरफ्तार आरोपी के बडे पुत्र विनोद सिंह की अपने छोटे दिव्यांग भाई अजीत सिंह से कहासुनी होने पर विवाद हो गया। जिसके चलते आरोपी रामसहाय सिंह के बडे पुत्र विनोद सिंह ने शराब के नशे में अपने छोटे दिव्यांग भाई अजीत सिंह की कुल्हाडी से चोट मारते हुए हत्या कर दी। बाद में गिरफ्तार आरोपी ने अपने बडे पुत्र के साथ मिलकर गुपचुप तरीके से छोटे पुत्र के शव का दाहसंस्कार करते हुए साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। जिसके चलते पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। मामलें में आरोपी के बडे पुत्र विनोद सिंह को पहले गिरफ्तार कर लिया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पांच दिवसीय श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के प्रथम दिवस श्री अग्रसेन शिक्षण समिति बाड़ी के द्वारा श्री अग्रवाल धर्मशाला बाड़ी में आयोजित

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में आज शाम 7:30 बजे से श्री अग्रसेन विद्यापीठ के छात्र छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बड़े ही शानदार ढंग से की गई सबसे पहले दोपहर में आयोजित की गई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। उसके बाद मंचासिन अतिथियों ने महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन किया कार्यक्रम के संयोजक विद्यापीठ के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र बंसल ने बताया की इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी लगभग पिछले 10 दिनों से चल रही थी! जिनकी तैयारी में अहम भूमिका विद्यापीठ की अध्यापिका प्रिया गोयल की रही फट्टा सर्राफ विद्यालय में भी तैयारी कराई गई। विद्यालय में बच्चों को तैयार कराया, इसमें विद्यापीठ के छात्र छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति प्रस्तुत की इस अवसर पर पूरा पंडाल समाज के लोगों से भरा हुआ था! सभी दर्शकों ने खूब तालियां बजाकर सभी छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन किया तथा कार्यक्रमों पर प्रसन्न होकर दानदाताओं ने दान राशि भी दी। सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को बाद में विद्यालय में प्रमाण पत्र तथा मोमेंट को देक र सम्मानित भी किया जाएगा! इस अवसर पर शिक्षा समिति के अध्यक्ष पी डी अग्रवाल, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, उपाध्यक्ष रामकुमार गर्ग, महामंत्री हरि शंकर मंगल, मुकेश सिंघल पूर्व जिलाध्यक्ष, मुन्नालाल मंगल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. शिवदयाल मंगल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सचिन बंसल महिला मंडल की अध्यक्षा सरोज देवी मंगल सहायता समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार गर्ग शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष हरि ओम सिंगल व्यवस्थापक, रामसेवक मंगल निरीक्षक, दीनदयाल मित्तल, श्रीनिवास मित्तल, त्रिलोक चंद, महावीर प्रसाद गोयल कपिल गर्ग सुभाष गर्ग, राजेश जादौन आदि महानुभाव उपस्थित थे।

खड़गे साहब राहुल गांधी के विरोधी : गिरिराज सिंह

पटना/एजेंसी। बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद व केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड×गे को राहुल गांधी का विरोधी बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर हमला बोला, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं तब तक नहीं मरूंगा, जब तक की मोदी को सत्ता से हटा ना दूं। गिरिराज ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा, इस बयान से साफ जाहिर होता है कि खड×गे साहब राहुल गांधी के विरोधी हैं, क्योंकि मोदी जी 100 सालों तक हैं, और तब तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी बूढ़े हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी को इस पद तक पहुंचने का मौका ही नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, खड×गे साहब आप एक बात समझ लीजिए कि पीएम मोदी हजार सालों तक देश की जनता के दिलों पर राज करेंगे। कोई जिंदा रहे या मर जाए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। मोदी जी गरीबों के मसीहा के रूप में जाने जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929